दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 225
मुरादाबाद
(Sunday)
07 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

आंबेडकर की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी की श्रद्धांजलि, मुर्शिदाबाद में रखी गई नई बाबरी मस्जिद की नींव, विधायक हुमांयू कबीर बोले- कोई ताकत रोक नहीं सकती

राहुल बोले- उनकी विरासत हमारे संघर्ष की प्रेरणा

डॉ. आंबेडकर की आज 69वीं पुण्यतिथि है। इस अवसर पर पूरा देश भारत के संविधान निर्माता को याद कर रहा है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि उनकी संविधान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा को राह दिखाती रहेगी। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की आज 69वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और अन्य नेताओं ने संसद भवन परिसर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को याद करते हुए। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संविधान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा को राह दिखाती रहेगी। उन्होंने पीढ़ियों को इंसानी गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मज़बूत करने के लिए प्रेरित किया। उनके आदर्श हमें विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करते हुए राह दिखाते रहें। राहुल गांधी ने संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर को किया याद- कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने डॉ. आंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर याद करते हुए एक पोस्ट में लिखा, %बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उनकी समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की विरासत संविधान बचाने के मेरे संकल्प को मजबूत करती है और भारत और समावेशी और करुणाशील भारत बनाने में हमारे एकजुट संघर्ष को प्रेरित करती है। संसद परिसर में डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा आंबेडकर जी एक आइकॉन हैं। उन्होंने पूरे देश को रास्ता दिखाया, उन्होंने हमें संविधान दिया। इसलिए, हम उन्हें याद करते हैं और उनके विचारों और संविधान की रक्षा करते हैं। हर भारतीय का संविधान खतरे में है। हम इसकी रक्षा करते हैं, नागरिक इसकी रक्षा करते हैं।

खरगे ने लिखा- डॉ. आंबेडकर सामाजिक न्याय की सबसे मजबूत आवाज- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए लिखा, डॉ. आंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर हम संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय की मजबूत आवाज को दिल से धन्यवाद देते हैं। बाबा साहेब आंबेडकर अपनी पूरी जिंदगी बराबरी, भाईचारे और न्याय के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए मजबूती से खड़े रहे। आज हमसे उन मूल्यों को बनाए रखने, बचाने की उम्मीद की जाती है, जिनके लिए वे जिए। देश को उनका सबसे बड़ा तोहफा, भारत का संविधान है।

संक्षिप्त समाचार

दुबई और कुवैत में रहने वालों का भरवा दिया एसआईआर फाम... जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा; अधिकारी हैरान

यूपी के रामपुर जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दुबई और कुवैत में रहने वाले लोगों का एसआईआर फार्म भरवा दिया गया। अब एडीएम के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ है।दुबई और कुवैत में रहने वाले दो लोगों का रामपुर का निवासी बताकर एसआईआर फार्म जमा करा दिया गया। खुलासा होने के बाद इस मामले में अब केस दर्ज कराया गया है। उप जिला निवार्चन अधिकारी संदीप कुमार वर्मा ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है।इसी क्रम में शहर विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ द्वारा मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त कर उनका डिजिटाइजेशन कार्य संचालित है। पुनरीक्षण के दौरान यह गंभीर तथ्य संज्ञान में आया है कि एक मतदाता वर्तमान में दुबई में निवासरत हैं। इसी तरह एक अन्य मतदाता जो कि वर्तमान में कुवैत में निवासरत है, के नाम से गणना प्रपत्र भरे गए हैं।जांच में स्पष्ट हुआ है कि उक्त दोनों व्यक्तियों की बहन द्वारा तथ्यों को छिपाते हुए अनुचित रूप से उनके नाम से गणना प्रपत्र प्रस्तुत किए गए, जो निर्वाचन नियमों का घोर उल्लंघन है। इस प्रकरण में सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा थाने में केस दर्ज कराया गया है। उन्होंने मतदाताओं से कहा है कि यदि किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है, तो वह केवल उसी स्थान से गणना प्रपत्र भरे जहां वह वास्तव में निवास करता है।

बाबरी मस्जिद की नींव, विधायक हुमांयू कबीर बोले- कोई ताकत रोक नहीं सकती

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की तर्ज पर नई मस्जिद की आधारशिला रखी। समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। कबीर ने कहा कि कार्यक्रम को रोकने की साजिश हो रही है, लेकिन वह हाईकोर्ट के आदेश का पालन करेंगे और मस्जिद का निर्माण कार्य पूरा करेंगे।पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमांयू कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में इस मस्जिद की आधारशिला रखी।हुमांयू कबीर ने मस्जिद की आधारशिला कार्यक्रम के मंच पर मौलवियों के साथ समारोह का फीता काटा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।बाबरी मस्जिद की तर्ज पर नई मस्जिद के शिलान्यास समारोह को देखते हुए कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेजिनगर और निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय बलों की बड़ी टुकड़ियां तैनात की गईं। हुमांयू कबीर को इस हफ्ते की शुरुआत में ही टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि पार्टी ने इसे सांप्रदायिक राजनीति से जुड़ा मामला बताया था। कबीर ने इस महीने की शुरुआत में स्थापना समारोह का एलान किया था, जिससे राजनीतिक आलोचना शुरू हो गई थी और राज्य प्रशासन को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी थी। आधारशिला रखने के समारोह के लिए कबीर ने 6 दिसंबर का दिन चुना, जो अयोध्या की बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ है।हुमायूं कबीर ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह को बाधित करने की साजिश रची जा रही है। कबीर ने दावा किया कि 2026 के चुनावों में 90 विधानसभा क्षेत्रों से मुस्लिम उम्मीदवार विजयी होंगे। निलंबित टीएमसी विधायक ने कहा, %कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।% उन्होंने यह भी आरोप लगाया, %हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें की जा रही हैं। दक्षिण बंगाल के जिलों से लाखों लोग ऐसी कोशिशों को नाकाम कर देंगे।

धनंजय सिंह को हाईकोर्ट से झटका, वाराणसी के नदेसर शूटआउट के गैंगस्टर मामले में पूर्व सांसद की अपील खारिज

पूर्व सांसद धनंजय सिंह को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। वर्ष 2002 में हुए वाराणसी के चर्चित शूटआउट मामले में पूर्व सांसद की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। धनंजय सिंह ने बाहुबली विधायक अभय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह समेत कई बाहुबलियों पर एके-47 से हमला कराने के मामले में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।इलाहाबाद हाईकोर्ट से जौनपुर के पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह को झटका लगा है। 23 साल पहले वाराणसी के नदेसर इलाके में हुए शूटआउट मामले में आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। शूटआउट में धनंजय सिंह, उनके गनर और ड्राइवर घायल हो गए थे। इस मामले में इन्होंने पांच लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को बरी कर दिया था। इस आदेश को पूर्व सांसद ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने याचिका को पोषणीय नहीं बना। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराध केवल राज्य और समाज के खिलाफ होता है, व्यक्तिगत नहीं माना जाता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल राज्य के पास असामाजिक गतिविधियों को रोकने और निवारक कदम उठाने का अधिकार है, किसी व्यक्ति को नहीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट से पूर्व सांसद धनंजय सिंह को एक बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने 2002 के जानलेवा हमले से जुड़े गैंगस्टर एक्ट मामले में आरोपियों को ट्रायल कोर्ट द्वारा बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को सही नहीं मानते हुए खारिज कर दिया है। वाराणसी के पहले %ओपन शूटआउट% के रूप में चर्चित नदेसर टकसाल शूटआउट से जुड़े इस मामले में कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि असामाजिक गतिविधियों को रोकना राज्य का दायित्व है। कोई भी व्यक्ति राज्य के कार्य को हड़पने का हकदार नहीं है। कोर्ट की टिप्पणी पूर्व सांसद (तत्कालीन रारी विधायक) धनंजय सिंह ने यूपी गैंगस्टर एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के तहत चार आरोपियों को वाराणसी के स्पेशल जज, गैंगस्टर एक्ट द्वारा बरी किए जाने के आदेश (29 अगस्त 2025) को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस लक्ष्मी कांत शुक्ला की सिंगल बेंच ने धनंजय सिंह की क्रिमिनल अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराध केवल राज्य और समाज के खिलाफ अपराध है, किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं। क्या था 2002 का नदेसर टकसाल शूटआउट- यह मामला लगभग 23 साल पुराना है। चार अक्तूबर 2002 को वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हॉल के पास तत्कालीन विधायक धनंजय सिंह की गाड़ी पर जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग की गई थी, जिसमें एके-47 जैसे ऑटोमेटिक हथियारों के इस्तेमाल की बात सामने आई थी। यह वाराणसी का पहला %ओपन शूटआउट% था। इस घटना में धनंजय सिंह, उनके गनर और ड्राइवर समेत अन्य लोग घायल हुए थे। धनंजय सिंह ने बाहुबली विधायक अभय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह, संदीप सिंह, संजय सिंह, विनोद सिंह और सतेंद्र सिंह उर्फ बबलू समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।

ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को किया बरी-29 अगस्त 2025 को वाराणसी के स्पेशल जज, गैंगस्टर एक्ट सुशील कुमार खरवार ने साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए चारों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया था, जिसे धनंजय सिंह ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। पीड़ित की परिभाषा पर केंद्रित थी बहस- सुनवाई के दौरान धनंजय सिंह के वकीलों ने तर्क दिया कि अपीलकर्ता मूल मामले में घायल और शिकायतकर्ता हैं, इसलिए वह पीड़ित की परिभाषा में आता है और उसे अपील दायर करने का अधिकार है, जैसा कि बीएनएसएस की धारा 413 के तहत दिया गया है।

रद्द उड़ानों के रिफंड पर सरकार ने तय की समयसीमा, इंडिगो से कहा- दो दिनों के अंदर सामान भी लौटाओ

विमानन कंपनियों को एफडीटीएल नियमों में राहत देने के बाद अब सरकार ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी के तहत सरकार ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि यात्रियों को रिफंड और उनके सामान को लौटाने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए। बीते पांच दिनों में इंडिगो की 2000 से ज्यादा उड़ानें रद्द होने से हजारों यात्री प्रभावित हुए हैं। इसे मद्देनजर रखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया कि वह रद्द उड़ानों के लिए किराया वापसी की प्रक्रिया रविवार शाम तक पूरी कर ले। मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइन सुनिश्चित करे कि यात्रियों का सामान भी अगले दो दिनों में पहुंचा दिया जाए।रिफंड को लेकर सरकार के सख्त निर्देश देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की ओर से शनिवार को पांचवें दिन 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द करने से पैदा हुई दिक्कतों के एक दिन बाद मंत्रालय ने कहा कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी या गैर-अनुपालन पर तत्काल नियामक कार्रवाई की जाएगी।मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सभी रद्द या बाधित उड़ानों के लिए किराया वापसी की प्रक्रिया रविवार रात 8 बजे तक पूरी हो जानी चाहिए।

जारी निर्देश में कहा गया है, %एयरलाइंस को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे उन यात्रियों से कोई रीशेड्यूलिंग शुल्क न वसूलें जिनकी यात्रा पर रद्दीकरण का असर पड़ा है।% देशभर में आज 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द- शनिवार को देशभर के अलग-अलग हवाई अड्डों पर 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। इंडिगो को समर्पित यात्री सहायता और रिफंड सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने का भी निर्देश दिया गया है। निर्देश के अनुसार इन प्रकोष्ठों को प्रभावित यात्रियों से सक्रिय रूप से संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है कि रिफंड और वैकल्पिक यात्रा व्यवस्थाएं कई बार अनुवर्ती कार्रवाई किए बिना ही पूरी हो जाएं।बयान में कहा गया है, %स्वचालित रिफंड की प्रणाली तब तक सक्रिय रहेगी जब तक परिचालन पूरी तरह से स्थिर नहीं हो जाता।% इसके अलावा मंत्रालय ने कहा कि एयरलाइन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों से अलग हुए सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर उन्हें सौंप दिया जाए।

संपादकीय Editorial

Patches on the Law

The issue is about land, not a promise. To this day, political trust in Section 118 remains elusive. Where has the rigor of Section 118 been proven, where has it been reversed? It's Himachal's nature to simply walk on the ground. Almost every government has to open the pages of Section 118 to ensure that the state remains worthy of investment, yet the argument continues. There's no doubt that the mess continues, but it's also a fact that the price of land has devastated agriculture. Many Himachal and Himachali empires have descended on the land. The patrolling of Section 118 between Parwanoo and Shimla became anonymous, and when private universities began to emerge in the wake of investment, the patches on the law also became visible. Questions about how much Section 118 plays a role in new investments have been raised, starting with the Dhumal government and ending with the Sukhu government. Even more pressing than Section 118 are questions about the Forest Conservation Act, where a single tree can spell disaster for an entire road. How many roads, government buildings, projects, and the state's ambitions are lost in the labor of forest laborers? At the core of Section 118, agriculture and horticulture, the rural economy, were more important than land. But did modern Himachal become the reason for this? Did the forest rob us of our peace, or did the exemptions under Section 118 bring prosperity? Did employment in agriculture and horticulture increase, or did the preferential treatment facilitate investment, while tourism, industry, and trade, under the purview of Section 118, provided employment opportunities? The assessment of how many of us are outside Section 118 and how many are inside is a common refrain in every government-opposition debate, but the question of how many Himachali rights have been taken away by the forest has never been considered. What environmental sins are we washing away by treating the Forest Conservation Act as a river of policies? Are our forests incapable of withstanding the natural disasters that plague Himachal, or have we become compelled to dig deep for employment? When we build houses, the sand and gravel of the ravines become the culprit. In the construction sector, Himachal Pradesh is faced with the challenge of whose land and on whose land should we build it? Neither the forest relents, nor does it hand over its land or timber. How much of the common people's relationship with natural resources remains? What architectural principles remain of the mountains? Why not explore the place and the goods that were sold off before Section 118? The Muzara Act and the Land Ceiling Act were sold overnight by spectators. Did farming suffer or did agricultural production increase after the Land Ceiling Act was implemented? Why was land under orchards measured and cultivable land sold off, even to the point of conscience? The discussion should be about who became the new moneylenders in land purchases over the past three decades? Who are the forces now establishing new settlements? Obviously, why haven't laws been enacted to preserve the Himachali environment? In Himachal, land is being displaced more than people, meaning the tribal population has increased, but the tribal areas have lost their charm and splendor. There may be some tribal culture, but the twists and turns of human history have spread Kinnaur from Solan to Chandigarh. Bharmour has descended and merged into Kangra. Finding Pangi in Kullu and considering the tribal potential of the Lahaul-Spiti settlers in Manali. The battle for land rights in Himachal is not limited to Section 118; it is a story of the disappearance of tribal areas. Have the Gaddis of Kangra found solace in the guise of tribal rights.

Politics transcends caste.

Politics ultimately centers on leaders and leadership. Trust in Narendra Modi and Nitish Kumar, Amit Shah's strategy and organizational vision, the grassroots work of organizers like Dharmendra Pradhan, and the public engagement of BJP and JDU leaders played a major role in the NDA's victory. It should also be remembered that such a significant victory is not achieved solely through caste equations. Participation of all sections of society in the NDA's victory: Identity politics has little influence; trust in policies of development and public welfare. The NDA achieved a remarkable victory in the Bihar Assembly elections. I call it remarkable because it clearly reflected the electoral participation of all sections of society. The NDA's constituent parties received the highest number of votes and support from all sections of society—Dalits, backward castes, forward castes, women, and youth. Of the 67 percent OBCs in Bihar, the NDA received 71 percent of the upper caste OBCs and 68 percent of the extremely backward OBCs. The NDA also received a portion of the Yadav and Muslim votes, considered the solid vote bank of the RJD, the largest component of the Grand Alliance. The Muslim-Yadav alliance's consolidation in favor of the Grand Alliance weakened somewhat in this election. Nearly 60 percent of Dalits chose the NDA. 48 percent of women and 46 percent of men also voted for the NDA. Furthermore, a large percentage of youth also played a significant role in the NDA's victory. Statistics show that all economic segments of society in Bihar, including the upper class, middle class, and lower class, gave the most support to the JDU-BJP alliance. The Bihar mandate represents a major transformation in the fundamental nature of Indian society and Indian democracy. This transformation can be easily understood through an analysis of the election results. The election results demonstrated that the politics of identity-based mobilization is gradually losing its influence, particularly the politics of caste identities, which are developed by increasing caste conflicts between castes. The Bihar election results indicate that the public now demands more than that. Political scientist Rajni Kothari once said that politics needs caste, and caste needs politics. In this new context, it would be appropriate to say that politics is transcending caste. This is clearly evident in Bihar. The political philosophy of caste identity politics, which rests on the concept of 'own' versus 'other' among castes, has evolved into a spirit of dialogue and cooperation. Even if we look at the Bihar elections through the optics of caste, most castes voted with mutual understanding and accommodation. The results also imply that India's electoral politics is gradually rejecting the decades-old concept of anti-incumbency. A pro-incumbency trend is increasingly taking over the voters' psyche, replacing anti-incumbency. This is particularly true for parties and alliances that have successfully and honestly implemented development politics with public welfare policies through their administrations. The consolidation of women's votes in favor of the NDA in Bihar is a result of this very chemistry. This is the chemistry that the BJP, led by PM Narendra Modi, and the JDU, led by Nitish Kumar, have cultivated in their respective political landscapes. This political chemistry has resonated with farmers, laborers, Dalits, women, and youth. The Bihar mandate also proved that the politics of development and welfare schemes have awakened aspirations in Indian society, transcending the barriers of caste and creed and the boundaries of identity sentiments, generating significant support for the BJP and the NDA. A significant portion of Bihar's voters have become beneficiaries of various central and state government schemes. Naturally, most of them voted for the NDA in the assembly elections. A beneficiary consciousness is characterized by a persistent desire to secure new support from the state government to meet their needs. Recognizing this beneficiary consciousness, the BJP and the NDA initiated financial support of ?10,000 under the Women's Employment Program, which attracted a significant number of women voters to the NDA. Thus, shattering all notions, a beneficiary identity is developing among poor social groups. These new changes in the Indian state and society have inspired us to change our old ways of understanding politics. The Bihar Assembly elections also exposed us to new changes taking shape at the level of the Indian electorate. These elections demonstrated a major shift in the politics of social justice. Political parties claiming to practice social politics failed this time. The Dalit and backward classes of Bihar placed their trust in the NDA for their aspirations for social justice. This was also possible because the concept of social justice has now become broader. It is now expanding horizontally. It includes not only the reserved classes but also the aspirations of marginalized communities to progress through the impact of government schemes. PM Modi has developed a new concept of social justice, which can be called holistic social justice. The people of Bihar have endorsed this concept. Politics ultimately centers on leaders and leadership. The trust in Narendra Modi and Nitish Kumar, the strategy and organizational vision of Amit Shah, the work done at the grassroots level by organizers like Dharmendra Pradhan, and the connect of BJP-JDU leaders with the people have made this happen. It played a major role in the NDA's victory. It should also be remembered that such a significant victory isn't achieved solely through caste equations. It also requires an emotional foundation. The emotional foundation of this election was the trust and sympathy in Modi and Nitish Kumar, and the growing desire for development among the people. The desire to respect Bihar's identity also had an impact.

Karnataka Congress Caught in a Power Struggle

The Congress high command's problem is that no decision is risk-free. There's no denying the possibility that Siddaramaiah might ally with the BJP if Shivakumar is appointed Chief Minister. He is not a Congressman by birth. Siddaramaiah, who has a Lok Dal background, has also served in the Janata Dal (Secular). A conflict with HD Deve Gowda's son, Kumaraswamy, forced him to join the Congress party. The tussle over the Chief Minister's post in Karnataka—a difficult decision for the high command. The importance of caste equations. It's hard to assume that two leaders, both fighting to retain and retain the Chief Minister's post, have to share breakfast together twice in four days. It's believed that, on the advice of the Congress high command, Chief Minister Siddaramaiah and Deputy Chief Minister DK Shivakumar are trying to conceal their well-known power struggle through "breakfast diplomacy." Siddaramaiah, who became Chief Minister for the second time in May 2023, has already served half of his term, and Shivakumar now wants him to be appointed Chief Minister. There is talk that the high command had formulated a formula for both to serve as Chief Ministers for two and a half years each in 2023. Similar discussions have also been heard in Rajasthan and Chhattisgarh. In 2018, the Congress government in Madhya Pradesh collapsed quickly due to Jyotiraditya Scindia's abandonment of the "hand" and the "lotus," while the Congress governments in Rajasthan and Chhattisgarh failed to return to power. In Rajasthan and Chhattisgarh, Deputy Chief Ministers TS Singh Deo and Sachin Pilot reminded the high command of the two and a half year formula, but to no avail. However, Congress was ousted from power in both states in the next elections. Siddaramaiah and Shivakumar are claiming that the high command's decision on the leadership issue is "final." Both are awaiting the high command's summons to Delhi. Siddaramaiah wants approval for a cabinet reshuffle to put an end to speculation about a leadership change, while Shivakumar wants to remind the party of his promise of two and a half years of chief ministership. The high command finds itself in a predicament of a "well here, a ditch there." Compared to the 77-year-old Siddaramaiah, Shivakumar, at 63, is younger, but will he be willing to wait until the next election to become Chief Minister? Amidst the infighting within the Congress party, the BJP is eager to regain Karnataka, its stronghold in South India. The resourceful Shivakumar has been a troubleshooter for the Congress party. The question is: if, despite his usefulness, the high command fails to fulfill its stated promise of two and a half years of chief ministership, wouldn't Shivakumar prefer to become Jyotiraditya Scindia rather than wait? Keep in mind that most leaders are merely close to power. The problem for the Congress high command is that no decision is risk-free. There's no denying the possibility that Siddaramaiah might ally with the BJP if Shivakumar is appointed Chief Minister. He's not a Congressman by origin. Siddaramaiah, who has a Lok Dal background, has also served in the Janata Dal (Secular). A conflict with HD Deve Gowda's son, Kumaraswamy, forced him to join the Congress. In the 224-member Karnataka Assembly, the Congress has 135 MLAs, while the BJP and JD(S) have 66 and 19 MLAs, respectively. Four others could also be considered close to power. If even two or two and a half dozen MLAs switch sides, it would be a game in the making. The anti-defection law is not a concern because the tactic of reducing the effective strength of the House by forcing the resignation of MLAs to lower the majority figure has been tried before in Karnataka. Karnataka is the home state of Congress President Mallikarjun Kharge, but both sides are looking to the Nehru-Gandhi family for a solution to the political crisis. The Congress was able to capture power in Karnataka in the 2023 elections because all its leaders, including Siddaramaiah and Shivakumar, united to capitalize on anti-incumbency sentiments against the divided BJP. Karnataka's electoral politics is determined by three major communities: Lingayats, Vokkaligas, and Kurbas. Shivakumar belongs to the Vokkaligas, the second most influential caste, while Siddaramaiah belongs to the Kurba. The Lingayats, the most influential community, were disgruntled with the BJP in the last election due to the removal of Yeddyurappa from the Chief Minister's post. The BJP sought to compensate for this loss by forming an alliance with former Prime Minister HD Deve Gowda's JD-S, a member of the Vokkaliga community, but various circumstances, from anti-incumbency sentiment to corruption allegations, proved counterproductive. Shivakumar was also in the running for the Chief Minister's post, but the high command, balancing socio-political dynamics, decided to crown Siddaramaiah. Shivakumar is extremely useful to the Congress politically and financially, while Siddaramaiah wanted to make himself indispensable to the Congress. The Congress high command has learned enough from the losses suffered in the past state after state due to the arbitrariness of satraps to avoid allowing any satrap to become indispensable to the party, but it has yet to demonstrate the courage necessary to prevent that from happening. Rahul Gandhi is engaged in efforts to reconnect the OBC and Dalit communities with the Congress, and Siddaramaiah is an OBC, while Shivakumar is from the upper caste. Therefore, in the power struggle between the two, the high command may choose a safe middle path in the form of Mallikarjun Kharge, a Dalit.

रास्ता रोककर परिवार पर किया हमला...मारपीट का वीडियो हुआ वायरल

मुरादाबाद । थाना भगतपुर क्षेत्र के पसियापुरा गांव में रास्ता रोककर एक परिवार के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। वीडियो वायरल हो रही है। मारपीट में युवक व उसके माता-पिता घायल हो गए। पीड़ित परिवार ने नामजद आरोपियों पर के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। नितेश कुमार निवासी ग्राम पसियापुरा के अनुसार वह अपने पिता जयवीर सिंह और माता सरोज देवी के साथ खेत से लौट रहे थे। रास्ते में गांव के ही रणवीर सिंह, पवन,धर्मेश पुत्रगण सूरज पाल सिंह तथा कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उनका रास्ता रोक लिया।

आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की, फिर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस दौरान नितेश, उसके पिता और उसकी मां सरोज देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। शोरगुल होने पर आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित परिवार थाना भगतपुर पहुंचा, जहां उन्होंने हमलावरों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज दो आरोपियों जेल भेज दिया जबकि एक अभी फरार है पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। थाना भगतपुर प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह ने बताया कि दो पक्षों में खेत की मेड़ पर पेड़ लगाने को लेकर झगड़ा हुआ था। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया है। मामला तीन दिन पुराना है। उसकी वीडियो आज वायरल हुई है।

966 जोड़ों ने खाईं एक-दूसरे का साथ निभाने की कसमें

मुरादाबाद ।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दूसरे दिन शुक्रवार को रामपुर रोड जीरो प्वाइंट पर स्थित आर्केडिया ग्रीन मैदान में 966 जोड़ों का वैवाहिक समरोह संपन्न हुआ।

हालांकि विवाह समारोह में विकासखंड छजलैट,टांडा, मूंढापांडे, डींगरपुर, बिलारी,तथा नगर पंचायत, कुंदरकी, बिलारी, महमूदपुर मॉफी, उमरी कलां व कांठ क्षेत्र के 1205 जोड़ों ने आवेदन किया था। कार्यक्रम की अध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, मुख्य अतिथि कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह व जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने मंच पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके साथ पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश सैनी और चारों ब्लॉक प्रमुख ने वर वधू को आशीर्वाद देकर उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की।सामूहिक विवाह समारोह में कुल 966 जोड़ों में हिंदू जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चारण और मुस्लिम जोड़ों ने निकाह की रस्में पूरी की। सुबह से शाम तक चले कार्यक्रम में शहनाई की मधुर धुनें गूंजती रहीं। विधायक रामवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ समाज के सभी वर्गों को उपलब्ध है। सरकार की मंशा है कि किसी भी परिवार की आर्थिक स्थिति बेटी के विवाह में बाधा न बने। जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने बताया कि शासन द्वारा योजना के अंतर्गत प्रति जोड़ा एक लाख रुपये व्यय किए जाते हैं। सामूहिक विवाह समारोह में मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, डीपीआरओ आलोक शर्मा, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, ब्लॉक प्रमुख डॉ. नवदीप यादव, गुलाम जिलानी, नूरी मौलाना, नीरज चंद्रा, महेंद्र सैनी, बबलू जाटव, संजय कश्यप, अरविंद ठाकुर, संजय दिवाकर, सतीश सैनी, ललित चौधरी, चमन, चिराग अली सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। भव्य आयोजन में शामिल परिवारों और नवविवाहित जोड़ों ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को सराहते हुए इसे सामाजिक समरसता और सहयोग का प्रेरक उदाहरण बताया।

दो दिन में 31 हजार लोगों ने किया भोजन- जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह प्रोत्साहन योजना का प्रत्येक लाभार्थी के साथ आए 10 सदस्यों के भोजन की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने बताया कि पहले दिन 16 हजार और दूसरे दिन 18 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई। करीब 31000 लोगों ने भोजन किया।जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने बताया कि दो दिन में आवेदनों की संख्या के सापेक्ष योजना शामिल लोगों की संख्या कम रहे गई है। जिसकी बायोमेट्रिक नहीं हो पाई उसको योजना में शामिल नहीं किया। योजना के लाभ वंचित रहे गए हैं ऐसे लोगों की विकास खंड स्तर से सूची मांग कर निदेशालय समाज कल्याण को भेजी जाएगी। निदेशालय से मिले निर्देश के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

कोहरे ने बिगाड़ा शेड्यूल, यात्रियों की बढ़ने लगी मुसीबत, राज्यरानी एक्सप्रेस दो व नौचंदी एक घंटे लेट

ठंड बढ़ने के साथ कोहरे का असर भी तेज हो गया है। इसका असर ट्रेनों पर भी दिखने लगा है। लंबी दूरी की ट्रेनें दो घंटे तक लेट हो रही है। इससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कोहरे ने अब ट्रेनों का शेड्यूल बिगाड़ दिया है। राज्यरानी समेत एक अन्य ट्रेन काफी देरी से चल रही हैं। इसके अलावा दो अन्य ट्रेनों को रद्द भी कर दिया गया है। ऐसे में यात्रियों के लिए मुसीबतें बढ़ गई हैं। घंटों ट्रेनों का इंतजार करने के बाद लोग अब बसों की तरफ रुख कर रहे है, जिससे बसों पर लोड बढ़ने लगा है।रात को रोजाना तापमान में गिरावट आती जा रही है। इस गिरावट के बीच धुंध और कोहरा बढ़ने लगा है। इस बीच ट्रेनों का शेड्यूल भी बिगड़ रहा है। सुबह की ट्रेनें रात तक पहुंच रही है। ट्रेनों की चाल धीमी होने से दो-दो घंटे का अंतराल आने लगा है। राज्यरानी एक्सप्रेस की ही अगर बात करें तो इसका रामपुर पहुंचने का निर्धारित समय 6:50 बजे का है और यह ट्रेन रात 9:14 बजे पहुंच रही है।यानी सीधे दो घंटे 64 मिनट देरी से रामपुर पहुंची है, जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतें हुई है। इसके साथ नौचंदी एक्सप्रेस ट्रेन का निर्धारित समय रात 2:49 बजे है, जबकि यह ट्रेन रात 3:55 बजे पहुंची है। उम्मीद है कि जल्द ही परिचालक उपलब्ध हो जाएंगे।

कम नहीं हो रहीं आजम और अब्दुल्ला की मुश्किलें... सजा बढ़वाने के लिए सेशन कोर्ट पहुंचा अभियोजन; 23 को फैसला

दो पैन कार्ड में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। अभियोजन सात साल की सजा से संतुष्ट नहीं है। सजा के खिलाफ अभियोजन सेशन कोर्ट पहुंचा है। सजा बढ़वाने के लिए दायर अपील पर अपीलकर्ता की ओर से अतिरिक्त आधार दाखिल किया है।दो पैन कार्ड में सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सात साल की सजा बढ़ाने की मांग को लेकर अभियोजन पक्ष की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। दूसरी ओर सजा के खिलाफ आजम के अधिवक्ताओं ने और राहत की मांग को लेकर कई तर्क दिए हैं। सेशन कोर्ट अब इन दोनों बिंदुओं पर 23 दिसंबर को अपना फैसला सुना सकती है। दो पैन कार्ड में एमपी- एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पिछले दिनों सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा व 50-50 हजार रुपये का जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी। इस मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के खिलाफ अब सेशन कोर्ट में शरण ली है।

उनके अधिवक्ताओं की ओर से सेशन कोर्ट में निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर की गई है। इसके साथ ही जमानत के लिए भी प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है, जिस पर सेशन कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से सात साल की सजा बढ़ाए जाने की मांग को लेकर अपील दायर की गई। सहायक शासकीय अधिवक्ता सीमा सिंह राणा के अनुसार अभियोजन की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया है, जिसमें अभियोजन की ओर से निचली अदालत की ओर से दी गई सात साल की सजा को बढ़ाने की मांग की गई।

दोनों ही प्रार्थना पत्रों पर 23 दिसंबर को सुनवाई-इस प्रार्थना पत्र पर 23 दिसंबर को सुनवाई होगी। वहीं दूसरी ओर इस मामले में आजम खां के अधिवक्ताओं की ओर से दाखिल अपील पर बचाव पक्ष की ओर से अतिरिक्त आधार भी दाखिल किए गए। एडीजीसी ने बताया कि दोनों ही प्रार्थना पत्रों पर कोर्ट 23 दिसंबर को सुनवाई करेगी।

दो पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा-दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा काट रहे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को शुक्रवार को दो पासपोर्ट मामले में भी सात साल की कैद व पचास हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई है। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए इस मुकदमे का फैसला सुनाया है।

सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट का मामला शहर विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस थाने में 2019 में दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि अब्दुल्ला आजम के पास दो पासपोर्ट हैं, जिसमें से एक पासपोर्ट का इस्तेमाल वह विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं। दोनों में जन्म की तारीखें अलग-अलग हैं।

यह मामला एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में विचाराधीन था। इस मामले में दर्ज मुकदमे को निरस्त करने को लेकर अब्दुल्ला आजम ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले की सुनवाई फिर से शुरू हुई। इस मामले में शुक्रवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया।

सुनवाई के लिए आरोपी पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। कोर्ट ने पहले इस मुकदमे में अब्दुल्ला आजम को दोषी करार दिया। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट शोभित बसंल ने इस मामले में अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा व पचास हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है।

क्या है मामला- शहर विधायक आकाश सक्सेना की ओर से सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराया गया था। वर्ष 2019 में दर्ज कराए गए केस में शहर विधायक ने कहा था कि अब्दुल्ला आजम खां द्वारा असत्य व कूट रचित दस्तावेज तथा विवरण के आधार पर पासपोर्ट बनवाया है और उपयोग में लाया जा रहा है। पासपोर्ट संख्या जेड4307442, 10 जनवरी 2018 है। अब्दुल्ला आजम खां की जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी 1993 अंकित है,जबकि पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है।

पासपोर्ट का प्रयोग आर्थिक लाभ हेतु व्यापार व व्यवसाय संबंधी विदेश यात्राओं तथा विभिन्न संस्थाओं में पहचान पत्र के रूप में तथा विभिन्न पदों के आवेदन में किया गया है। दूसरी ओर शैक्षिक प्रमाण पत्रों का प्रयोग भी आर्थिक लाभ हेतु शैक्षिक संस्थाओं की मान्यताओं व आईडी के लिए किया गया है। अब्दुल्ला आजम के शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट का विवरण जन्मतिथि व जन्म स्थान विरोधाभासी है फिर भी अब्दुल्ला आज़म सभी दस्तावेजों का प्रयोग जरूरत के अनुसार जानबूझकर अनुचित लाभ लेने के लिए कर रहे हैं।

केस में आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम ने असत्य विवरण अंकित पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 बनवाया है जो जिसका दुरुपयोग किया जाना भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 तथा पासपोर्ट अधिनियम की धारा -12(1) एके अन्तर्गत दंडनीय अपराध है ।

संक्षिप्त समाचार

गोमतीनगर से सहारनपुर के बीच 9 दिसंबर से होगा वंदे भारत का संचालन

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे की ओर से गोमतीनगर से सहारनपुर तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 26504/26503 का संचालन शुरू होने की तिथि नियत कर दी गई है। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फेट ऋचा शर्मा ने बताया कि 9 दिसंबर से वंदे भारत ट्रेन संख्या 26504 गोमतीनगर सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को छोड़कर अन्य सभी दिनों में चलेगी। वह दोपहर बाद 3:10 बजे चलकर डालीगंज, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली होकर रात में 8:35 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। यहां 5 मिनट का स्टापेज है। यहां के बाद नजीबाबाद रुड़की होकर रात 11:50 बजे सहारनपुर पहुंचेगी। जबकि ट्रेन संख्या 26503 मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में प्रतिदिन मुरादाबाद, बरेली होकर गोमतीनगर आएगी।

अंतिम तिथि करीब, जल्द जमा करें एसआईआर फार्म

मुरादाबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर ऐसे मतदाता जिन्होंने अपना गणना प्रपत्र भरकर अभी तक अपने बीएलओ के पास जमा नहीं किया है। उनको प्रशासन ने गणना प्रपत्र तत्काल भरकर अपने बीएलओ के पास जल्द जमा करने के लिए कहा है।अपर जिलाधिकारी प्रशासन /उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने बताया कि यदि मतदाताओं को किन्हीं कारणों से बीएलओ नहीं मिल रहे हैं तो वह अपने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी से संपर्क कर उनके कार्यालय में बने काउन्टर पर तत्काल जमा कर दें। इसके लिए तहसील स्तर पर काउंटर बनाया गया है। जिससे 16 दिसंबर को आलेख प्रकाशित की अनन्तिम मतदाता सूची में आपका नाम प्रकाशित किया जा सके। यदि मतदाताओं के द्वारा गणना प्रपत्र समय से जमा नहीं किया जाता है तो आलेख मतदाता सूची में उनका नाम प्रकाशित होने से रह जाएगा। विस निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का पदनाम मोबाइल नंबर तहसील का नामउपजिलाधिकारी, कांठ---- 9454416873----तहसील कार्यालय, कांठ उपजिलाधिकारी, ठाकुरद्वारा---- 9454416872---- तहसील कार्यालय, ठाकुरद्वारा मुरादाबाद ग्रामीण विस---- 945441686---- उपजिलाधिकारी, सदर मुरादाबाद नगर विस में अपर नगर मजिस्ट्रेट (द्वितीय)----- 9454416881--- तहसील सदर में बने काउटरों पर अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) मुरादाबाद---- 9454416864 उपजिलाधिकारी, बिलारी----- 9454416874 ---- कुन्दरकी तहसील कार्यालय बिलारी

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

रोहिंग्या-बांग्लादेसियों कि तलाश को लेकर प्रशासन ने चलाया विशेष अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की संभावित अवैध मौजूदगी की सूचना मिलते ही प्रशासन सतर्क हो गया है। शनिवार को थाना बारादरी क्षेत्र में पीलीभीत बाईपास रोड किनारे अवैध रूप से रह रहे बाहरी लोगों की तलाश में विशाल वेरिफिकेशन ड्राइव चलाई गई, जिसमें प्रशासन और पुलिस के उच्चाधिकारियों ने मोर्चा संभाला।

अभियान का नेतृत्व डीएम अविनाश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारिक, ष्ठह्व पंकज श्रीवास्तव सहित गोपनीय, टीम और प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। सुबह से शुरू हुए इस संयुक्त ऑपरेशन में अधिकारियों ने बाईपास किनारे बनी झुग्गी बस्तियों, निर्माण स्थलों, अस्थायी ठिकानों, दुकानों और राहगीरों की गहन जांच की।

टीमों ने मजदूरों, रिहायशी लोगों और संदिग्ध व्यक्तियों से आधार कार्ड, पहचान पत्र, किरायानामा और अन्य दस्तावेज मांगे। पास पहचान संबंधी कागजात चेक किये गए ,जिनपर शक हुआ उनपर मौके पर ही सत्यापन की कार्रवाई शुरू की गई । अभियान के दौरान डीएम अविनाश सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में अवैध रूप से रहने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है, और कोई भी संदिग्ध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं एसएसपी अनुराग आर्य और एसपी सिटी मानुष पारिक ने बताया कि अभियान का लक्ष्य बाहरी और संदिग्ध लोगों की पहचान कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना है। यह बड़ा अभियान प्रशासन की सतर्कता, प्रतिबद्धता और सुरक्षा को लेकर मजबूत इच्छाशक्ति का साफ संदेश देता है।

गौ अवशेष मिलने से गौ रक्षा दल ने लगाया आरोप पुलिस की मिला भगत से काटी जा रही है गौ माता

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / थाना जहानाबाद के अंतर्गत परवा चौकी क्षेत्र में आज दिनांक 6 / 12 /2025 सुबह को गौ वंश की हत्या की सूचना मिली सूचना मिलते ही जिला महामंत्री जितेंद्र मौर्य एवं तहसील उपाध्यक्ष हेमंत मोर्य तथा सुधांशु पाठक मौके पर पहुंचे तो उन्हें गोवंश अवशेष प्राप्त हुए बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना गौ रक्षा हिंदू दल के तहसील उपाध्यक्ष हेमंत मोर्य जिला मंत्री जितेंद्र मौर्य को सूचना मिली की थाना जहानाबाद के परेवा चौकी के अंतर्गत गोकशी की घटना हुई है सूचना पाकर गौ रक्षा हिंदू दल के जिला मंत्री जितेंद्र मौर्य व तहसील उपाध्यक्ष हेमंत मोर्य सुधांशु पाठक मनीष मौर्य फूलचंद दिनेश वर्मा मनीष वर्मा मनोज मौर्य आदि लोग लोग मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी थाना इंस्पेक्टर जहानाबाद को दी सूचना पाकर एसपी थाना इंस्पेक्टर चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और डॉक्टर को बुलाकर सैंपलिंग कराई है घटना को लेकर गौ रक्षा हिंदू दल में भारी आक्रोश है इसी दौरान जितेंद्र मौर्य की बा हेमंत मौर्य की पुलिस से कड़ी नोक झोंक भी हो गई इसी दौरान हेमंत मौर्य ने जल्द खुलासा न होने पर आंदोलन की चेतावनी दिए स।ह्व प्रदीप विश्नोई एवं चौकी इंचार्ज हिमांशु विश्नोई की मिली भगत से हो रही गौ हत्या बहुत ही दुखद है जल्द खुलासा न होने पर गौ रक्षा हिंदू दल एक बड़ा आंदोलन करेगा

संदूक में मिला था बच्चे का शव...कई परिवार देखने पहुंचे , चार दिन बाद भी नही हो सकी शिनाख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में संदूक में मिले 8 साल के बच्चे की शव की चार दिन बाद भी पहचान नहीं हो सकी है। शुक्रवार को कई परिवार मोर्चरी पर बच्चे का शव देखने पहुंचे थे। शनिवार को दिल्ली से एक परिवार बच्चे की पहचान के लिए आएगा। अगर शिनाख्त नहीं हुई तो उसी दिन शव का अंतिम संस्कार करा दिया जाएगा।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मंगलवार सुबह नकटिया नदी किनारे झाड़ियों में संदूक में 8 साल के बच्चे का शव मिला था। बच्चे के शरीर पर कई जगह चोटों के निशान थे, जबकि उसकी एक आंख निकली हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्चे की गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई थी।

पुलिस की चार टीमें बच्चे की पहचान कराने और उसकी हत्या करने वालों की तलाश में जुटी है, लेकिन अभी तक बच्चे की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इंस्पेक्टर इज्जतनगर बिजेन्द्र सिंह ने बताया

कि अभी तक कई परिवार पोस्टमार्टम हाउस पर बच्चे की पहचान करने को पहुंचे हैं, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शनिवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा।

शॉर्ट सर्किट से दो मंजिला घर में भीषण आग, महिला गंभीर रूप से झुलसी, पूरा कमरा जलकर हुआ राख

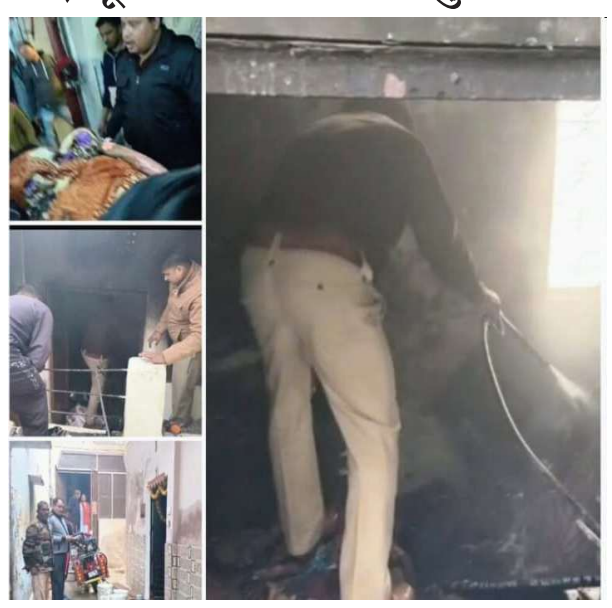

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कोतवाली थाना क्षेत्र के चौपला चौराहे के पास शनिवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। पानी गर्म करने वाली मशीन में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से दो मंजिला मकान में आग भड़क उठी। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरा कमरा जलकर राख हो गया और बेड भी पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। इस हादसे में घर के अंदर मौजूद रमा सक्सेना गंभीर रूप से झुलस गईं।

जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई, जब रमा सक्सेना रोज की तरह घर के काम में व्यस्त थीं। तभी पानी गर्म करने वाली मशीन में तेज आवाज के साथ शॉर्ट सर्क्ट हुआ और उसमें आग लग गई। आग तेजी से फैलकर पूरी मंजिल को अपनी चपेट में लेती चली गई। कुछ ही पलों में धुआं पूरे घर में फैल गया और रमा सक्सेना लपटों की जद में आ गईं।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उन्हें बाहर निकाला। परिजन गंभीर रूप से झुलसी रमा को तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना पाकर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी भीषण थी कि कमरे में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। फर्नीचर, बेड, घरेलू सामान और इलेक्ट्रॉनिक आइटम पूरी तरह नष्ट हो गए।

फायर विभाग की प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का मुख्य कारण माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली की समस्याएं और उपकरणों में खराबी की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं, लेकिन इस बार लापरवाही ने बड़ा हादसा करा दिया।

बरेली में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बोले- विपक्षी दलों के वोट कटवा रहे भाजपा के लोग

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को बरेली में कहा कि भाजपा के लोग विपक्षी दलों के वोट घटवा रहे हैं और अपने वोट बढ़वा रहे हैं। भाजपा बीएलओ पर दबाव डाल कर हमारे वोट घटवाने को चुनाव मान रही है। भाजपा के संगठन में कोई मजबूती नहीं है, यह भावनाओं को भड़काती है। इनकी ताकत सिर्फ हिंदू-मुस्लिम करना है। जो असली मुद्दे हैं, उनके संबंध में इनके पास कोई जवाब नहीं होता है। अजय राय ने कोतवाली के सामने आंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यहां पत्रकारों से उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के एसआईआर के लिए सरकार को कम से कम छह महीने का समय देना चाहिए था। सरकार के दबाव से बीएलओ तनाव में हैं और उनकी मौत हो रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कर्मचारी नगर, गाली नंबर 5 निवासी एमबी इंटर कॉलेज के दिवंगत शिक्षक अजय अग्रवाल के बेटे और परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की। अजय अग्रवाल एसआईआर के कार्य में लगे थे। ब्रेन हैमरेज से उनकी मौत हो गई थी। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में लोगों को पिलाया जा रहा जहरीला सिरप- कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लोगों को जहरीला सिरप पिलाया जा रहा है, लेकिन कोई जवाब देने वाला नहीं है। कहा कि रूस के राष्ट्रपति भारत के दौरे पर आए तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उनसे मिलने नहीं दिया गया। बेरोजगारी, महंगाई, डॉलर के सामने रुपये की ऐतिहासिक गिरावट, हवाई यात्रा की समस्या, विदेश नीति जैसे किसी भी मसले पर भाजपा की सरकार बात नहीं करना चाहती है। भाजपा को सिर्फ तानाशाही पसंद है।

सिविल डिफेंस के स्थापना दिवस पर शामिल हुए डीएम

सिविल डिफेंस के निस्वार्थ भाव से किये जा रहे कार्यों की हुई प्रशंसा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी नियंत्रक अविनाश सिंह की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा स्थापना की 63वीं वर्षगांठ के अवसर पर नागरिक सुरक्षा कार्यालय पर विभागीय ध्वजातोलन किया। सामूहिक राष्ट्रीयगान व उपस्थित वार्डनों को शपथ भी दिलायी गयी। इस मौके पर जिलाधिकारी ने समस्त पदाधिकारीगणों को नागरिक सुरक्षा दिवस की 63वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ आभार व्यक्त करते हुये नागरिक सुरक्षा टीम द्वारा विभिन्न अवसरों पर निस्वार्थ भाव से किये जा रह कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की, जिसमें चाहें बरेली जनपद में कुछ समय पूर्व असामान्य स्थिति के दृष्टिगत शांति व्यवस्था में सहयोग, रामगंगा मेला, एस0आई0आर0 में सहयोग, व विभिन्न स्तरों पर नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा दिये जा रह अतुलनीय सहयोग की भी सरहाना की। इसी प्रकार भविष्य में भी राष्ट्रभावना के दृष्टिगत शासन, प्रशासन द्वारा सौंपे गये कार्यों को समयान्तराल करने तथा उत्तरोत्तर नागरिक सुरक्षा को गति प्रदान करने में सहयोग करने की अपील की गयी। साथ ही नागरिक सुरक्षा विभाग को नगर स्तर से ग्रामीण स्तर तक विस्तार करने की बात कहते हुये सभी को पुन: नागरिक सुरक्षा की बधाई दी गयी। जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट प्रांगण से निकलने वाली नागरिक सुरक्षा मोटर साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे द्वारा अपने सम्बोधन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों को नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस की शुभकामनाओं के साथ उपस्थित समस्त वार्डनों को अधिक विश्वासपात्र होने की बात कहते हुये वार्डनों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की आगे भी भविष्य में इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा रहेगी। उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा राकेश कुमार मिश्र द्वारा नागरिक सुरक्षा की स्थापना पर प्रकाश डालते हुये नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा वर्ष भर जनवरी-2025 से नवम्बर-2025 तक किये गये कार्यों के सम्बंध में अवगत कराया गया। उक्त के अतिरिक्त वर्ष-2025 में वर्ष भर विभिन्न स्तरों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर फर्स्ट रिस्पांडर तैयार करना, सी0पी0आर0 प्रशिक्षण, दिनांक 07.05.2025 को आई0वी0आर0आई0, में आयोजित ब्लैक आउट/मॉकड्रिल/अभ्यास प्रदर्शन, जून-2025 में वृहद स्तर पर किये रक्तदान कार्यक्रम व विभिन्न स्तरों पर आयोजित परीक्षा डियूटी के साथ-साथ वर्ष भर विभिन्न त्योहारों एवं पर्वों पर पुलिस व प्रशासन के साथ शांति व्यवस्था ड्यूटी जैसे कार्यों की प्रगति से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में डिप्टी चीफ वार्डन रंजीत वशिष्ठ, सहायक उप नियंत्रक (व0वे0) पंकज कुदेशिया व प्रमोद कुमार डागर, वार्डन सेवा के डिवीजनल वार्डन अन्जय अग्रवाल, संजय पाठक, दिनेश यादव, शिवलेश पाण्डेय, डिप्टी डिवीजनल वार्डन कलीम हैदर सैफी, अनिल शर्मा, कवलजीत सिंह, स्टाफ आफीसर डा0 अनवर हुसैन, गीता शर्मा, श्याम कृष्ण, आई0सी0ओ0 कमलेश वर्मा व सुनील यादव एवं बड़ी संख्या में वार्डन सेवा के अन्य अवैतनिक स्वयं सेवक आदि उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

तीन तलाक पीड़िता नूरजहां ने धर्मपाल से शादी कर बनी पूनम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। तीन तलाक पीड़ित नूरजहां ने नई जिंदगी की शुरुआत करते हुए धर्मपाल के साथ सात फेरे लिए। अगस्त्य मुनि केके शंखधार ने विधि-विधान से में नूरजहां ने हिंदू विवाह किया और नाम से नई पहचान सुभाषनगर स्थित आश्रम में पंडित उनकी शादी कराई। संपन्न हुई इस शादी रीति-रिवाज से अब वह पूनम के के साथ अपना जीवन शुरू कर रही है। बता दें कि धर्मपाल बरेली के शाही इलाके का निवासी है, जबकि नूरजहां मूल रूप से लखीमपुर खीरी की रहने वाली है। नूरजहां ने बताया कि उसके पूर्व पति ने उसे तीन तलाक देकर घर से बाहर कर दिया था, जिसके बाद वह काफी समय से मानसिक और सामाजिक संघर्ष झेल रही थी। इस बीच करीब सात महीने पहले धर्मपाल से उसकी मुलाकात हुई और दोनों ने एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने का निर्णय लिया। शुक्रवार शाम अगस्त्य मुनि आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दोनों ने सात फेरे लिए। शादी के बाद नूरजहां ने पूनम नाम अपनाकर नई जिंदगी शुरू करने की इच्छा जताई।

पुण्यतिथि पर याद किए गए भारतीय संविधान के जनक डॉ भीमराव अंबेडकर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। डॉ भीमराव अंबेडकर को उनके 69 वें परिनिर्वाण दिवस के मौके पर अंबेडकर पार्क में बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।इस दौरान वक्ताओं ने कहा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर संविधान के जनक थे। एडवोकेट जसवीर सिंह राणा ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जाति विहीन समाज की स्थापना करना चाहते थे। एडवोकेट संजय वर्मा ने कहा डॉक्टर अंबेडकर संविधान के असली शिल्पकार थे।सुशील कुमार बौद्ध ने बताया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का सपना था भारत आत्मनिर्भर बने।ष्टकार्यक्रम की शुरुआत डॉ अंबेडकर पार्क में लगी उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर हुई।इस दौरान डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के अनुयाई मौजूद रहे।

खादी वस्त्रों की खरीदारी पर भारी छूट ,20-25 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । विशप मण्डल इण्टर कालेज ग्राउण्ड में आयोजित खादी एवं स्वावलम्बन उत्सव-2025'' में विशाल पाल मुजफ्फरनगर के स्टॉल पर कोटों में विभिन्न प्रकार के वी गले के कोट एवं सदरी 38 से 44 नम्बर के साईजों में एवं कूल्लू मनाली का शाल तथा विभिन्न प्रकार के फैन्सी लेडिज स्टॉल बिक्री हेतु उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त मॉ गायत्री चूर्ण उद्योग, जयपुर राजस्थान के स्टाल पर ऑवला कैंडी जो पेट की गरमी के लिए एवं ऑखों की रोशनी के लिए लाभदायक है। रोस्टेड़ अलसी जो कोलेस्ट्रॉल को संतुलित कर मोटापा को कम करने के लिए, हरण वटी शरीर में गैस के लिए आराम दायक, अनार दाना खाये गये खाने को हाजमे के लिए उपयोगी है। मद्रासी मेथी जोड़ों के दर्द के लिए एवं सुगर के लिए तथा मीठी सौफ हाजमें में भी उपयोगी है। मीठा अदरख नजला खॉसी में उपयोगी है एवं हींग पेड़ा कब्ज एसीडिटी के लिए बहुत ही उपयोगी है आदि उत्पाद बिक्री हेतु उपलब्ध है जिनकी जमकर खरीददारी की जा रही है। इस प्रदर्शनी में खादी व ग्रामोद्योग उत्पादों को प्राथमिकता देने वाले आगंतुकों द्वारा पसंद कर अधिक से अधिक खरीददारी की जा रही है। प्रदर्शनी समाप्ति में अभी 04 दिन शेष है। खादी वस्त्रों की खरीदारी पर 20-25 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

डीएम,एसपी ने संपूर्ण समाधान दिवस में जनता की सुनी समस्याएं , 39 शिकायतों में 4 को मौके पर निस्तारण किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / पुरनपुर-पीलीभीत। डीएम एसपी ने संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें सुनी समाधान दिवस में टोटल 39 शिकायतें प्राप्त हुई चार शिकायतों को मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शनिवार को तहसील समाधान दिवस में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह,एसपी अभिषेक यादव ने तहसील सभागार में पहुंचकर अधिकारियों के साथ पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं शिकायतें सुनी जिसमें सरकारी अस्पताल में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर फैला हुआ है। जिसकी शिकायत रूम सिंह यादव ने की है। वहीं रमेश भारती एडवोकेट ने समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर बताया शेरपुर कलां रोड रेलवे फाटक और पुलिस चौकी तक दोनों तरफ सब्जी की दुकान लगती हैं। आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है तत्काल इस पर ध्यान दिया जाए। वहीं उदयपुर के रहने वाले राजगुरु पांडे ने समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर बताया ग्राम पंचायत में जल शक्ति मिशन के अंतर्गत पानी टंकी बनाई जा रही है। अभी तक पानी टंकी का कार्य पूर्ण नहीं हो सका जल्द पूरा किया जाए जिसे शुद्ध पानी पीने को मिल सके। वही धनेंद्र सिंह यादव ने प्रार्थना पत्र देकर बताया बाइकें बगैर हेलमेट चलने वाले लोगों की बाढ़ सी आ गई है। स्कूल के छात्र-छात्राओं के आए दिन हाईवे से लेकर सड़कों पर एक्सीडेंट होते हैं। और बाइक चालकों की मौतें हो रही हैं। इस पर पुलिस चेकिंग अभियान चलाकर बगैर हेलमेट चालकों विरुद्ध कार्रवाई की जाए जिससे होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर शिकायतों का मौके पर पहुंचकर निस्तारण करें।समाधान दिवस में समाधान दिवस में मौजूद पुलिस क्षेत्राधिकार प्रतीक दहिया,एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, तहसीलदार,मुख्य चिकित्सा अधिकारी आलोक शर्मा,प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार पांडे,मांधोथाना अध्यक्ष अशोक पाल, सहित कानून को लेखपाल जिले के अधिकारी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय साइबर गैंग के छह आरोपियों को घुंघचिहाई पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा

आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में साइबर फ्रॉड के उपकरण बरामद किए गए

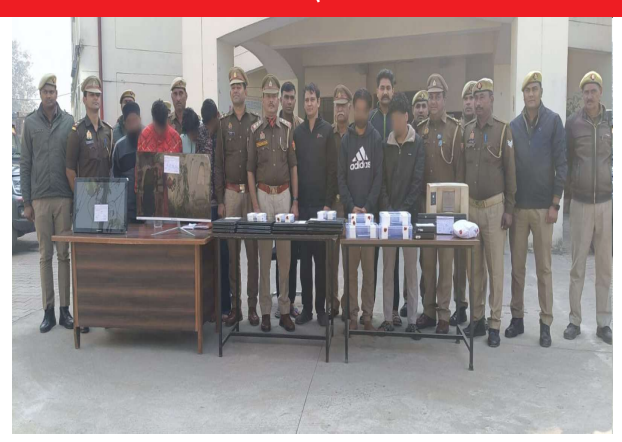

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / पूरनपुर-पीलीभीत। अंतर्राष्ट्रीय साइबर बैंक के छह आरोपियों को घुंघचिहाई पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शनिवार को घुंघचिहाई ने छह अंतरराष्ट्रीय गैंग को पकड़ा उनके पास से भारी मात्रा में साइबर फ्रॉड के उपकरण बरामद किए।साइबर फ्रॉड के अंतर्गत राष्ट्रीय गैंग ने फर्जी कॉल सेंटर स्थापित 50 हजार लोगों को गेमिंग एप लोगिन कराने के बाद 5 करोड़ 54रुपए रुपए इन्वेस्टमेंट कर लिया था। बताया जा रहा दुबई में कॉल सेंटर पर ट्रेनिंग के बाद भारत वापस लौटे आरोपियों ने गैंग बनाकर साइबर फ्रॉड शुरू कर दिया। घुंघचिहाई के अलावा उत्तराखंड रुद्रपुर में फर्जी कॉल सेंटर स्थापित कर रखे थे। जेल भेजे गए आरोपी अमृतपाल से पूछताछ के बाद पुलिस ने रुद्रपुर में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर भी छापेमारी की। बताया जा रहा अमृतपाल सिंह गिरहो का सरगना था। फर्जी सिमे से फ्रॉड करते थे।इसकी निशान देही पर मनजीत सिंह पुत्र गुरनाम सिंह निवासी थाना माधोटांडा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मुखबिर और सर्विस लांस की मदद से अमृत पाल मनजीत सिंह गिरहो के छह आरोपी हैं। विक्रांत सिंह उर्फ विक्की, मनजीत सिंह,चक्र खड़का,कपिल, कुनाल,प्रशांत माधोटांडा स्थित मनजीत के घर से 13 मोबाइल फोन,13लैपटॉप, दो कंप्यूटर सिस्टम सीपीयू एलईडी कीबोर्ड 1 प्रिंटर जीरोक्स मशीन 1160 रुपए नगद दो सिम कार्ड खरचे हुए एक सिम यूएई देश का और तीन आधार कार्ड सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में सरगना मनजीत सिंह ने बताया 2024 में दुबई गया था। वहां उसकी मुलाकात विक्रांत उर्फ विक्की और अमृतपाल से हुई। विक्की ने उसे कॉल सेंटर में काम दिलवा दिया। वहां उसने 30 हजार रुपए महीना की नौकरी की सारा काम सीख गया था। दो-तीन महा पूर्व अमृत वापस पीलीभीत आ गया।

अमृत अपने घर माधो टांडा रुद्रपुर से कॉल सेंटर चलाने लगा। लोगों को गेम के माध्यम से कुछ पैसे डाल देता था। पीड़ितों की बैक अकाउंट के डिटेल ठग ले लेते थे। उसके बाद गिरहो पीड़ितों के अकाउंट खाली कर देते थे। यह धंधा काफी दिनों से क्षेत्र में फल फूल रहा था। घुंघचिहाई पुलिस को काफी दिनों से ग्रहों की तलाश थी। घुंघचिहाई पुलिस ने गैंग की घर पकड़ शुरू की। पकड़े गए आरोपी मनजीत सिंह उर्फ सोनू पुत्र गुरनाम निवासी बसंतपुर नोनेर थाना माधोटांडा, विक्रांत पंडित उर्फ विक्की पुत्र कश्यप कुमार पंडित निवासी च।।592 कलिंग चौराहा कस्बा ब थाना खम्भात सिटी गुजरात हाल निवासी रुद्रपुर उधम सिंह नगर,चक्र खड़का पुत्र गंगा सिंह खगड़ा निवासी कस्बाबाद थाना सानागांव नेपाल हाल निवासी चौक रुद्रपुर उधम सिंह नगर, कपिल मेहरा पुत्र शिवप्रसाद मेहरा निवासी कलका चौक रोशनपुरा जनपद भोपाल हाल निवासी रुद्रपुर उधम सिंह नगर,कुनाल प्रजापति पुत्र मुकेश प्रजापति निवासी कालका भोपाल हाल निवासी गावा चौक रुद्रपुर उधम सिंह नगर, प्रशांत सिंह पुत्र अशोक सिंह चौधरी निवासी दानिश कुंज थाना कालांतर जनपद भोपाल हाल निवासी रुद्रपुर उधम सिंह नगर के खिलाफ घुंघचिहाई पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। गिरफ्तार करने वाली टीम थाना प्रभारी जय शंकर सिंह,एसओजी प्रभारी अजय कुमार सिंह,उप निरीक्षक विजय सिंह,संजीव प्रताप सिंह,उप निरीक्षक सनी आर्य,उप निरीक्षक निशांत कुमार सहित पुलिस मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर कार्यों की प्रगति पर जिलाधिकारी ने सभासदों के साथ मीटिंग की

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत।नगर पालिका परिषद पूरनपुर सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में स्ट्रक्र कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगर के सभी सभासद शामिल हुए थे। स्ट्रक्र कार्यों की ग्राउंड रिपोर्ट एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह तथा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद पूरनपुर शैलेन्द्र गुप्ता ने संयुक्त रूप से पेश की।बैठक में तहसीलदार पूरनपुर आशीष कुमार गुप्ता एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका पूरनपुर एज़ाज़ अहमद शामिल रहे।अधिकारियों और सभासदों ने स्ट्रक्र से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की तथा कार्यों में आ रही समस्याओं को सामने रखा। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि स्ट्रक्रकार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। सभासदों ने कहा कि नगर में चल रहे स्ट्रक्र कार्यों को गति देने और उन्हें शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के लिए प्रशासन को पूरी सहायता प्रदान की जाएगी। बैठक में नगर पालिका के सभासद सहित नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

गन्ना सेंटर पर भीड़ के कारण ट्रेक्टर को लेकर विवाद

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। रामनगर जगतपुर गन्ना क्रय केंद्र पर भीड़ की वजह से दो किसानों के ट्रेक्टर आपस में लग जाने से हुई कहासुनी में दूसरे पक्ष के चार लोगों ने पीड़ित के ट्रेक्टर के ऊपर अपना ट्रेक्टर चढ़ा दिया जिससे उसके ट्रेक्टर में नुकसान हो गया पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की। दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामनगर जगतपुर निवासी हरप्रसाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि वह अपने ट्रेक्टर में गन्ना भरकर क्रय केंद्र पर ले गए थे उसी समय गांव निवासी ऋषि गोस्वामी, विजय गोस्वामी, रवि गोस्वामी, गोलू गोस्वामी अपने ट्रेक्टर ट्राली में गन्ना भरकर क्रय केंद्र पर ले गए भीड़ के चलते दोनों ट्रेक्टर आपस में लग गए लेकिन कोई नुक़सान नहीं पहुंचा।जिसको लेकर उक्त लोगों ने ट्रेक्टर के ऊपर अपना ट्रेक्टर चढ़ा दिया जिससे पीड़ित के ट्रेक्टर में नुकसान हो गया विरोध करने पर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक गौतम सिंह ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डाइट में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रथम पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में संस्थान में 2004 से 2022 तक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके पूर्व छात्र।

छात्राओं ने सहभागिता की। संस्थान के प्राचार्य दरवेश सिंह ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कस्तूरबा गांधी के बच्चों ने आए हुए अतिथियों के स्वागत में नृत्य के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति दी। परिचय सत्र में सर्वप्रथम संस्थान के प्राचार्य एवं प्रवक्तागणों ने अपना परिचय दिया इसके पश्चात आये हुए पूर्व छात्रों ने अपना परिचय दिया तथा बताया की आज वो देश तथा राज्य के विभिन्न पदों को किस प्रकार सुशोभित कर रहे हैं तथा अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अनुभव सत्र के दौरान आए हुए सभी अतिथियों ने अपने संस्मरण तथा अनुभव साझा किए साथ ही उनके जीवन मे संस्थान का क्या योगदान रहा यह भी बताया। डी.एल. एड. 2024 बैच के प्रशिक्षुओं ने नृत्य और एकांकी की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन डायट प्रवक्ता स्मिता लोधी व मेघा अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवक्ता वीरेंद्र कुमार, नीलेश नाथ, अमित कुमार शर्मा, स्वदेश कुमार, आशा सुमन, पुलकित शर्मा, सुनीता विष्ट, कार्यालय स्टाफ रविंद्र कुमार, निर्मित कुमार तथा सभी डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

माया‌वती ने पूछा कि अब तक दलित-आदिवासियों के अच्छे दिन क्यों नहीं आए? आंबेडकर को किया याद

बसपा सुप्रीमो ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उनको श्रद्धांजलि देते हुए केंद्र सरकार से परोक्ष रूप से पूछा कि अब तक देश में दलितों के अच्छे दिन क्यों नहीं आए? बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री मायावती ने कहा जनहित का बन गया है। केंद्र सरकार आर्थिक सलाहकारों उपाय करे। बसपा सुप्रीमो शनिवार को नई दिल्ली में संविधान श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लेकर सचेत, सजग व चिंतित है कि देश के करोड़ों के 'अच्छे दिन' अब तक क्यों नहीं आए हैं, जिनके लिए राजकाज में गरीब व मेहनतकश बहुजनों को बेहतर जीवन संघर्षरत तो हैं, लेकिन विरोधी साम, दाम, दंड, भेद प्रयास कर रहे हैं। इससे निपटने के लिए बहुजनों को करनी होगी। चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे वोटर और इसमें पूरी जागरूकता के साथ भागीदारी जरूरी है। बताए रास्तों पर चलना जरूरत बन गया है।नोएडा में कि रुपये के अवमूल्यन का मामला अब आर्थिक न होकर, देश व के भरोसे रहने के बजाय खुद गंभीर होकर इसके समाधान के ठोस रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर को संबोधित कर रही थीं।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बसपा इस बात शोषित-पीड़ित दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों डॉ. आंबेडकर आजीवन संघर्ष करते रहे। जातिवादी पार्टियों के मिलना संभव नहीं है। वह सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करने के लिए आदि हथकंडों का इस्तेमाल कर उन्हें शासक वर्ग बनने से रोकने का अपनी वोट की ताकत को सही से पहचानना होगा व उसकी रक्षा लिस्ट के सघन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर का विशेष महत्व है आज की विषम परिस्थिति में बहुजनों के मसीहा डॉ. आंबेडकर के आकाश रहे मौजूद बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर नोएडा में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने डॉ. आंबेडकर को राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन जाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान में भारी संख्या में पश्चिमी यूपी और उत्तराखंड से आए बसपा समर्थक मौजूद रहे। वहीं लखनऊ में बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने डॉ.. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में श्रद्धांजलि दी। अन्य राज्यों में भी जोन स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भाई और भाभी ने किया ऐसा सलूक...सह न सका युवक, शादी के 21 दिन बाद दे दी जान; मौत से पहले बनाया ये वीडियो

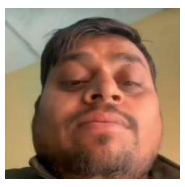

उत्तर प्रदेश के आगरा में शादी के 21 दिन बाद ही युवक ने यमुना में कूदकर जान दे दी। युवक ने मौत से पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें उसने अपने भाई और भाभी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया।आगरा के शाहगंज के खेरिया मोड़ निवासी युवक ने फेसबुक पर अपना वीडियो अपलोड करने के बाद यमुना में कूदकर आत्महत्या कर ली। उसकी 21 दिन पहले ही शादी हुई थी। मरने से पहले उसने अपने भाई और भाभी पर संपत्ति हड़पने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। घटना के 13 दिन बाद ससुर की तहरीर पर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।जगदीशपुरा के आवास विकास कालोनी सेक्टर चार स्थित भगवती आशियाना के रहने वाले कमल सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री रजनी उर्फ मधु (20) की शादी 2 नवंबर को शाहगंज के खेरिया मोड़ निवासी लक्ष्मण (25) से की थी। लक्ष्मण का बड़ा भाई राकेश और भाभी उमा अपने दोनों भाइयों के हिस्से की संपत्ति हड़पना चाहते थे। इसलिए वह शादी के खिलाफ थे। इस कारण शादी के बाद रोजाना बेटी और दामाद से झगड़ा कर रहे थे। राकेश के पिता राम खिलाड़ी सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं। राकेश ने उनके रुपयों से संजय प्लेस में दुकान ली थी और लक्ष्मण के साथ मिलकर प्रिंटिंग का काम करता था। 19 नवंबर को दुकान पर देरी से आने पर राकेश ने लक्ष्मण को भगा दिया। घर पर राकेश और उसकी पत्नी बार-बार विवाद कर लक्ष्मण को कहीं जाकर मर जाने को बोल रहे थे। 22 नवंबर को बेटी ने फेसबुक पर लक्षण की वीडियो देखी, जिसमें वह भाई राकेश और भाभी उमा पर पिता की जमा पूंजी हड़पने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर आत्महत्या करने की बोल रहा था। वीडियो देखते ही बेटी ने फोन कर उन्हें जानकारी दी और सबने लक्ष्मण को ढूंढना शुरू किया। थोड़ी देर बाद एकता थाना की तोरा चौकी के प्रभारी ने लक्ष्मण का शव धोबीघाट पर यमुना में मिलने की जानकारी दी। अंतिम संस्कार के बाद उन्होंने शाहगंज पुलिस से शिकायत की। मामले में डीसीपी सिटी ने बताया कि युवक की फेसबुक पर मिले वीडियो और तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

इकलौते बेटे ने मां को काट डाला: थाने पहुंचकर बोला- घर में बंद करके आया हूं शव... कबूलनामा सुनकर पुलिस भी दंग

बुजुर्ग मां की हत्या के बाद आरोपी बेटा राहुल थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसनेअपनी मां मधु शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी है। इसके बाद वह खुद पुलिस को अपने घर तक लेकर आया, जहां वह अपनी मां का शव छोड़कर गया था। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित जनता कॉलोनी में गृह क्लेश में कलयुगी पुत्र राहुल भारद्वाज ने मां मधु शर्मा (70 वर्ष) की धारदार हथियार दरांत से गला रेतकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी अपनी मां का शव घर में बंद कर थाने पहुंच गया और हत्या की जानकारी दी। घटना की जानकारी पुलिस के होश उड़ गए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मकान का ताला खोलकर फर्श पर पड़ा मधु शर्मा का लहूलुहान शव बरामद किया। राहुल भारद्वाज इकलौता पुत्र है।शनिवार दोपहर करीब दो बजे नगर के फफराना मार्ग स्थित जनता कॉलोनी का रहने वाला राहुल भारद्वाज थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि साहब मैंने अपनी मां मधु शर्मा की धारदार हथियार दरांत से गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिसकर्मी राहुल शर्मा की बात सुनकर सकते में आ गए।एसएचओ मोदीनगर आनंद प्रकाश मिश्रा आरोपी को हिरासत में लेकर मकान पर पहुंचे। पुलिस ने राहुल से चाबी लेकर मकान का ताला खोला तो वहां कमरे के बाहर मधु शर्मा का खून से सना शव पड़ा था। एसीसी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि राहुल भारद्वाज इकलौता पुत्र है, उसकी पांच बहनें हैं। पिता वेद प्रकाश एक्साइज में एएसआई थे। नौकरी के दौरान वेदप्रकाश की मौत हो गई थी। घर पर मधु शर्मा, राहुल भारद्वाज और उसकी पत्नी रहती है। आरोपी राहुल मकान और मां की पेंशन के पैसे को लेकर झगड़ा करता था। गृह क्लेश के कारण राहुल ने दरांत और चाकू से गला रेतकर मां मधु शर्मा की हत्या कर दी।

ट्रांसफार्मर न हटने से नाले का काम रुका: नाला अधूरा, बारिश में घरों में घुस रहा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के इकौना विकासखंड स्थित कंजड़वा रोड पर नाले का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। यह कार्य एक ट्रांसफॉर्मर न हटाए जाने के कारण बाधित है, जिससे स्थानीय निवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों और समाजसेवियों ने इस समस्या को उजागर किया है। इनमें किसान यूनियन नेता रक्षा राम, सोम शर्मा, गिरधारी गुप्ता, अंकित गुप्ता और हजारीलाल गुप्ता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ट्रांसफॉर्मर के कारण नाले का निर्माण पूरा नहीं हो पा रहा है, जिससे जल निकासी बाधित है। निवासियों के अनुसार, घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में बरसात के दिनों में स्थिति और भी विकट हो जाती है। बारिश का पानी घरों में घुस जाता है, जिससे लोगों को चोटें लगने का भी खतरा रहता है। स्थानीय लोगों ने जानकारी दी कि इकौना बाईपास से राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के घर तक नाला बनाकर छोड़ दिया गया है। इसके आगे निर्माण न होने से जल निकासी की समस्या बनी हुई है। उन्होंने शासन-प्रशासन से जल्द से जल्द ट्रांसफॉर्मर हटवाकर नाले का निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को किया जागरूक कानूनी अधिकारों, आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर श्रावस्ती जनपद में मिशन शक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम विभिन्न थाना क्षेत्रों, विद्यालयों और कस्बों में शक्ति मोबाइल टीम द्वारा चलाए गए, जिनमें महिलाओं, बालिकाओं और छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी अधिकारों, आत्मरक्षा के व्यावहारिक प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, घरेलू हिंसा से निपटने के उपायों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। महिला बीट अधिकारियों ने आत्मरक्षा के गुर सिखाए। उन्होंने बताया कि संकट की स्थिति में आसपास उपलब्ध वस्तुओं का उपयोग करके स्वयं की सुरक्षा कैसे की जा सकती है।

मिशन शक्ति टीमों ने साइबर जागरूकता पर विशेष बल दिया। प्रतिभागियों को अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने और संदिग्ध कॉल्स से सतर्क रहने की सलाह दी गई। किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत 1930 या 112 नंबर पर संपर्क करने को कहा गया। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम और रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष जैसी महिला कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं और बालिकाओं को बताया गया

कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में वे बिना झिझक 1090, 181, 112, 108, 1098 या 1076 जैसी सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता ले सकती हैं। विद्यालयों में आयोजित सत्रों में छात्राओं से नारी सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और लैंगिक समानता पर संवाद किया गया। छात्राओं ने मिशन शक्ति टीमों से अपने अनुभव साझा किए और सुरक्षित समाज निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया। श्रावस्ती पुलिस का यह अभियान महिलाओं को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य जनपद श्रावस्ती को सुरक्षित नारी - समृद्ध समाज के संकल्प की ओर अग्रसर करना है।

फ़र्रुख़ाबाद में सुतहट्टी में स्मार्ट मीटर का विरोध: बिजली विभाग की टीम को काम रोककर लौटना पड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फ़र्रुख़ाबाद शहर के मोहल्ला सुतहट्टी में बिजली विभाग की टीम को स्मार्ट मीटर लगाने के दौरान उपभोक्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध के बाद टीम को बिना काम किए लौटना पड़ा। टीम के घेराव की सूचना पर एसडीओ और जेई मौके पर पहुंचे। उन्होंने उपभोक्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे स्मार्ट मीटर लगवाने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद काम रोक दिया गया। विरोध का कारण और मीटर लगाने की स्थिति- जिले में बिजली उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान चल रहा है। जिले में लगभग तीन लाख बिजली उपभोक्ता हैं और आठ माह से जारी इस अभियान के तहत अब तक 48,000 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। कुछ उपभोक्ता मीटरों के तेज चलने की शिकायत कर रहे हैं, जबकि अन्य का कहना है कि उनके पुराने मीटर सही काम कर रहे हैं। इसी क्रम में, कार्यदायी संस्था के कर्मचारी मोहल्ला सुतहट्टी में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे थे। कुछ मीटर लगने के बाद सभासद के पति और नगर पालिका कर्मी नवनीत कनौजिया ने इसका विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद जिन घरों में मीटर लग चुके थे, वहां के लोग भी विरोध में शामिल हो गए। उपभोक्ताओं की मुख्य शिकायतें -हर के मोहल्ले के लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद- उपभोक्ता की सहमति के बिना उन्हें प्रीपेड मीटर में बदल दिया जाता है। बिल भुगतान में दो दिन की देरी या गलत बिल सही कराने में समय लगने पर बकाया होने के कारण कनेक्शन काट दिया जाता है। कनेक्शन कटने पर उपभोक्ताओं को फिर विभाग के चक्कर लगाने पड़ते हैं। विभाग उन्हें बताता है कि कनेक्शन सीधे आगरा से काटा गया है और बिल जमा करने के बाद ही जुड़ेगा। इन्हीं समस्याओं का हवाला देते हुए लोगों ने स्मार्ट मीटर लगाने से इनकार कर दिया। अधिकारियों का हस्तक्षेप- टीम को घेरे जाने की जानकारी मिलने पर एसडीएम मनीष कुमार और अवर अभियंता अजय बाबू मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाया कि स्मार्ट मीटर लगाने का काम शासन के आदेश पर चल रहा है और सरकारी काम में बाधा न डालें। हालांकि, उपभोक्ताओं के न मानने पर आखिरकार टीम को बैरंग लौटना पड़ा। नगरीय अधिशासी अभियंता बृजभान सिंह ने बताया कि उन्हें स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध की जानकारी मिली है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे और साथ ही उपभोक्ताओं की समस्याओं का भी निस्तारण किया जाएगा।

भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / आवास विकास स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। अंधेरों में राह दिखाने वाली वह ज्योति थे, समानता की मशाल लिए चलने वाले वह महापुरुष थे। इसके उपरांत आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने जाति व्यवस्था को चुनौती देकर समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी समान सम्मान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने आगे कहा कि जनपद में SIR अभियान तेजी से चल रहा है, और प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने-अपने बूथ पर जाकर शत-प्रतिशत स्ट्रक फॉर्म भरवाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव ने कहा कि यदि हम बाबा साहब के सच्चे अनुयायी हैं, तो हमें सड़क से लेकर संसद तक बराबरी और न्याय की लड़ाई लड़नी होगी। भाजपा द्वारा बाबा साहब के कार्यक्रमों को रद्द करना उनके विचारों का अपमान है, जिसे समाजवादी कभी स्वीकार नहीं करेंगे। जिला प्रवक्ता विवेक सिंह यादव ने कहा कि बाबा साहब ने एक व्यक्ति-एक मूल्य का सिद्धांत देकर सच्चा लोकतंत्र स्थापित किया और पिछड़ों, दलितों व महिलाओं को सम्मान व शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। इसी क्रम में जिला उपाध्यक्ष सौरभ कटियार ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने सही मायने में पिछड़ों के हित में सबसे अधिक आवाज उठाई। उन्हें केवल दलितों तक सीमित समझना गलत है - वे पिछड़ों के भी सबसे बड़े संरक्षक थे।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष भोजपुर नरेंद्र सिंह यादव,महिला सभा की प्रदेश सचिव सुनीता शाक्य, महिला सभा की जिला अध्यक्ष सुलक्षणा सिंह,प्रताप सिंह, रामपाल सिंह यादव फ्रंटल प्रभारी, शिवशंकर शर्मा, बीना शर्मा,रमेशचंद्र कठेरिया (जिला उपाध्यक्ष),वरिष्ठ सपा नेता करण सिंह, आदि के विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में सैनिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष केके यादव, जितेंद्र सिंह यादव सिरौली राष्ट्रीय सचिव युवजन सभा, विजय अनुरागी जिला सचिव, संजय यादव पूर्व सभासद, अखिल कठेरिया राष्ट्रीय सदस्य छात्र सभा, नीलम चौहान,रूबी यादव, सुशील कुमार,वीके गंगवार, आशीष पटेल, गौरव यादव गुड्डी कश्यप, प्रतिभा यादव प्रदेश सचिव महिला सभा, सहित अनेक नेताओं एवं पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन महानगर के महासचिव रजत क्रांतिकारी ने किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाजजन उपस्थित रहे। उधर विधानसभा-वार आयोजित कार्यक्रम- 1. कायमगंज विधानसभा-कायमगंज विधानसभा में कार्यक्रम प्रभारी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष हर्ष गंगवार के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

हर्ष गंगवार ने कहा कि बाबा साहब ने केवल संविधान ही नहीं दिया, बल्कि सामाजिक न्याय की अटूट नींव भी रखी। उन्होंने कहा कि हर युवा को बाबा साहब के विचारों पर चलकर समाजवादी आंदोलन को मजबूत करना चाहिए।

कायमगंज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीपाल जाटव, राजवीर सिंह, राजू गौतम, सुमित गौतम, करन वाल्मीकि, अजय वाल्मीकि, सत्यम जाटव, रोहित खटिक, अंकित खटिक, चेतन सक्सेना, सुमित गंगवार, जानू गंगवार, शिवा गंगवार आदि मौजूद रहे।

2. अमृतपुर विधानसभा- अमृतपुर विधानसभा में कार्यक्रम जिला उपाध्यक्ष डॉ. नवरंग सिंह यादव के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

डॉ. नवरंग सिंह यादव ने कहा कि बाबा साहब ने शोषित-वंचित समाज को जो अधिकार दिए, वही हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि स्ट्रक अभियान को जन-आंदोलन में बदलना हर कार्यकर्ता का कर्तव्य है।इसी कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष नदीम अहमद फारूकी ने कहा -बाबा साहब ने समानता का जो मार्ग दिखाया, उसी पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। अल्पसंख्यक सभा के साजिद अली खान ,राहुल यादव सभासद, बादल खान सभासद,अरविंदयादव जिलाध्यक्ष शिक्षक सभा,अश्वनी यादव नगर अध्यक्ष नवाबगंज,विजेंद्र यादव जिला सचिव अमित यादव,नीरज यादव बृंदावन जाटव जी आदि तमाम लोगो की उपस्थित रही।

3. भोजपुर विधानसभा- भोजपुर विधानसभा में कार्यक्रम जिला उपाध्यक्ष सिराजुल आफाक 'मुन्ना' के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सिराजुल आफाक 'मुन्ना' ने कहा कि बाबा साहब का संघर्ष हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता है। पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने कहा कि समाजवाद और अंबेडकरवाद मिलकर ही समानता पर आधारित समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर बिल्लू श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष, विधान अभा अध्यक्ष नरेंद्र यादव आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे । राकेश सिंह राका ने संचालन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कार-बाइक की आमने सामने टक्कर एक युवक की हालत गंभीर ,8 वर्षीय बालक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जनपद के हरदत्त नगर गिरन्ट थाना क्षेत्र में देर शाम मिर्जापुर-गिरन्ट मार्ग पर एक कार और बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में सिटकहना गांव निवासी राकेश नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके साथ बैठा आठ वर्षीय बालक भी चोटिल हुआ है। जानकारी के अनुसार, कार मिर्जापुर से गिरन्ट बाजार की ओर जा रही थी, वहीं बाइक सवार राकेश गिरन्ट बाजार से मिर्जापुर की तरफ लौट रहा था। दोनों वाहन गिरन्ट और मिर्जापुर के बीच एक मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि अचानक आपस में टकरा गए। टक्कर के कारण बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कार का अगला हिस्सा भी बुरी तरह टूट गया। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को सड़क से हटाकर राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सरकारी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उपचार शुरू कर दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही गिरन्ट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया। पुलिस ने कार और बाइक दोनों को कब्जे में ले लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को टक्कर का संभावित कारण माना जा रहा है।

अंबेडकर जी का महा परिनिर्वाण दिवस के मौके पर स्मृति सभा का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/

प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री अजय पूर्व मंत्री जी के निर्देश अनुसार फर्रुखाबाद जिला कांग्रेस कार्यालय पर श्रीमती शकुंतला देवी जी जिला अध्यक्ष ने भारत रत्न बाबा साहब डॉश बीम राव अंबेडकर जी का महा परिनिर्वाण दिवस के मौके पर स्मृति सभा का आयोजन कर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की इस मौके पर साथ मौजूद रहे । श्रीमती शकुंतला देवी जी जिला अध्यक्ष,प्रवक्ता वरुण त्रिपाठी,हिलाल शफीकी प्रदेश सचिव सोशल मीडिया विभाग,धर्मेंद्र शाक्य ब्लॉक अध्यक्ष नवाबगंज,खालिद उस्मानी अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष,रजत गुप्ता,इलयास खान,शिवम् आदि ।

नि:शुल्क सहायक उपकरण शिविर आज जनपद पंचायत करैरा में

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी,ब्यूरो। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार शिवपुरी जिले में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार की एडिप एवं वयोश्री योजनाओं के तहत एलिम्को जबलपुर की टीम द्वारा यह शिविर 4 से 12 दिसंबर तक जिले की सभी जनपद पंचायतों में लगाए जा रहे हैं।

कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों में पात्र दिव्यांग एवं वरिष्ठजन को व्हीलचेयर, हियरिंग एड, छड़ी, ट्राईसाइकिल, कैलीपर्स, कृत्रिम अंग सहित विभिन्न जीवन सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर सभी पात्र लाभार्थियों की 100त्न उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। शिविर की तिथियाँ एवं स्थान इस प्रकार हैं -

5 दिसम्बर - जनपद पंचायत करैरा (सम्मिलित निकाय- न.प. करैरा) 6 दिसम्बर - जनपद पंचायत बदरवास (सम्मिलित निकाय- न.पं. बदरवास एवं न.पं. रन्नौद) 8 दिसम्बर - जनपद पंचायत पोहरी (सम्मिलित निकाय- न.पं. पोहरी एवं न.पं. बैराड़) 9 दिसम्बर - जनपद पंचायत खनियांधाना (सम्मिलित निकाय- न.पं. खनियांधाना) 10 दिसम्बर - जनपद पंचायत नरवर (सम्मिलित निकाय- न.पं. नरवर एवं न.पं. मगरौनी) 11 दिसम्बर - जनपद पंचायत कोलारस (सम्मिलित निकाय- न.पं. कोलारस)

12 दिसम्बर - जनपद पंचायत शिवपुरी (सम्मिलित निकाय- नपा शिवपुरी)

सभी शिविर संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय में आयोजित किए जाएंगे। प्रशासन ने पात्र लाभार्थियों से समय पर उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

How long will you carry the burden of others' expectations? 5 tips to help strengthen your own identity

Often, knowingly or unknowingly, we shoulder the burden of our parents', friends', or society's expectations. We do what the world wants us to do, not what our hearts desire. This burden hinders our true happiness and progress. strong and authentic identity, these 5 the burden of others' expectations. Saying comparing yourself to the "perfect" life. that comes to your mind "what will people congratulations! You are unknowingly burden of others' expectations. Yes, most our true desires and dreams on hold. This within. If you want to break this confidence and independence, the life. Identify your "true voice" - The to hear our own. The first step to creating place and ask yourself, "What do I love? You may not get the answer immediately, within and reduce the influence of others' reason we don't fulfill others' expectations will feel bad or angry, but remember, your upsetting, or distracting you from your respect, not diminishes it. Stop comparing compare ourselves to others' "perfect" abandon our own path and start imitating them. This weakens your identity. Every person's path is different. Focus your energy on achieving your own small goals, not comparisons. Remember that you are a unique and special story. Consider mistakes as learning opportunities - When we live by others' expectations, we become very afraid of making mistakes. We worry about what others will say if we fail. To strengthen your identity, stop thinking about this. Making mistakes isn't bad; rather, it's proof that you're trying. Consider every mistake a lesson and learn from it and move on. This courage will give you the strength to follow your own path, regardless of anyone else's opinions. Set small goals for yourself—forget the lofty expectations of others. Now, set small, achievable goals for yourself. These goals should be connected to your true passions and interests. When you achieve them, you'll feel a strong sense of self-confidence. This confidence will gradually grow so strong that you'll be able to easily ignore any external pressure.

If you too want to break out of this cycle and build a simple tips will help you. It's not right to always carry "no" is also essential for self-respect. You should avoid Just think, when you make a decision, is the first question say?" or "will my parents be happy?" If so, burdened by a burden that doesn't belong to you—the of us continue to follow the path set by society, putting burden stifles our creativity and leaves us hollow from suffocating cycle and build a strong identity with following five simple tips can change the course of your voices of others echo so loudly in our minds that we forget your true identity is to give yourself time. Sit in a quiet What are my dreams? What brings me the most joy?" but this practice will gradually strengthen you from opinions. Learn to say "no" without guilt. The biggest is that we can't say "no." We fear that the other person own peace is most important. If something is tiring, goals, politely say "no." Saying "no" increases your self- yourself - In this age of social media, we constantly lives. When we see how successful someone else is, we

Destination weddings are no longer the era of "divine weddings"; these ancient temples in India will make your wedding special.

Nowadays, couples are choosing to marry in temples filled with peace and spirituality rather than noisy destination weddings. Celebrities like Samantha Ruth Prabhu have also married in temples. There are many ancient and sacred temples in different states in India that can prove to be perfect locations for temple weddings. These days, temple weddings are gaining popularity. People want to start their new lives in a peaceful and spiritual environment. There are many ancient temples in the country that are perfect for temple weddings. You may have noticed that couples are increasingly choosing to marry in temples filled with peace, spirituality, and sanctity rather than noisy destination weddings. Recently, famous South Indian actress Samantha Ruth Prabhu also got married at the "Linga Bhairavi" temple inside the Isha too want to choose a peaceful and spiritual environment for the new beginning of your life, then atmosphere of these temples will make your wedding memorable. Let us know about t h e significance. Uttarakhand and Himachal - Confluence of divinity and nature - Triyuginarayan Temple, Rudraprayag is the most special, where it is believed blessing. Apart from this, Kedarnath and Badrinath are also popular Neelkanth Mahadev in Rishikesh, Dakshineshwar Mahadev in spiritual ambiance. Himachal Pradesh is also home to Jwala Manali. Andhra Pradesh - Divine Architecture and Mandapam in Tirumala Tirupati are considered highly Temple, and the Kanaka Durga Temple in Vijayawada are of nature and spirituality - Guwahati's Kamakhya Devi as a Shakti Peetha. Weddings at the Umananda Temple, experience. Additionally, the Hayagriva Madhava Temple - Rooted in culture and tradition - In Maharashtra, the Jejuri Khandoba, and the Mahalaxmi Temple in Kolhapur Dwarkadish, Ambaji, and Modhera Sun Temples are serene atmosphere. Punjab and Rajasthan - Royal style and several ISKCON temples, the Shri Devi Talab Temple, the In Rajasthan, the Birla Temple in Jaipur, the Brahma Temple and the ancient Ambika Mata Temple are excellent spiritual amidst nature - In Karnataka, the Murudeshwar Temple, The Vidyashankara Temple is a popular destination for Temple, and the Konark Sun Temple (for representative Pradesh, Kerala, and West Bengal: The Tambdisurla and Vishwanath, Banke Bihari, Sankat Mochan, and Naimisharanya in Uttar Pradesh are stunning and offer a truly serene experience. Khajuraho, Mahakaleshwar, and Omkareshwar in Madhya Pradesh combine spirituality with regal grandeur. The Vishnupada Temple and Mundeshwari Temple in Bihar are special for their historical significance. Guruvayur, Padmanabhaswamy Temple, Sri Vadakkumnath Temple, and the Chottanikkara Temple in Kerala are perfect locations for traditional South Indian weddings. The serene lawns of Kalighat, Dakshineswar, Tarapith, Haneshwari Temple and Belur Math in West Bengal are perfect for spiritual weddings. If you want to make your wedding memorable with purity, peace and a unique blend of cultures, then you can find the perfect and divine atmosphere in these temples.

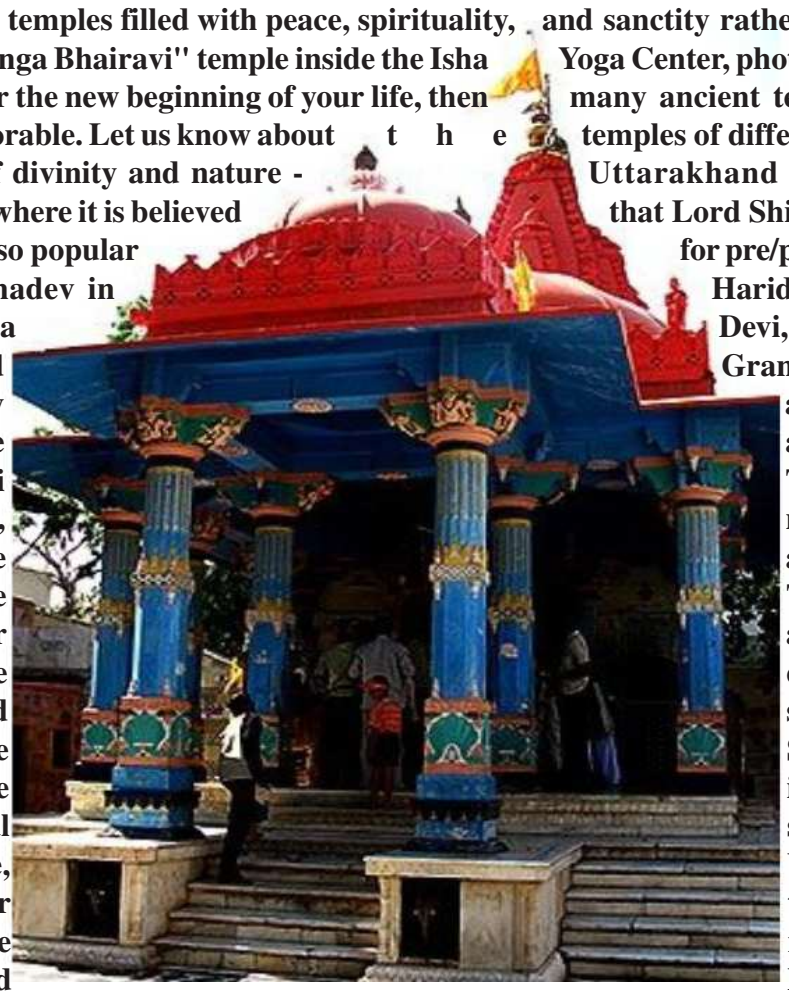

Yoga Center, photos of which are going viral on social media. In such a situation, if you many ancient temples in India can prove to be a very good option. The sacred temples of different states, which are known for their divinity, beauty and spiritual Uttarakhand is called Devbhoomi. Among the most famous temples here, that Lord Shiva and Parvati were married. Getting married here is considered a for pre/post wedding rituals. Jageshwar Dham, nestled amidst tranquil forests, Haridwar, and Kalpeshwar Temple in Chamoli are excellent options for a Devi, Chintpurni, Naina Devi, and the famous Hidimba Devi Temple in Grandeur In South India, weddings at the Govindaraja Swamy Kalyana auspicious. Furthermore, the Srikalashti Temple, Simhachalam also renowned for their religious energies. Assam - A unique experience Temple is considered highly auspicious for weddings due to its status nestled in the Brahmaputra River, offer a unique and memorable and Shivadol are also beautiful locations. Maharashtra and Gujarat Trimbakeshwar Temple in Nashik, Bhimashankar, Ganpatipule, are considered sacred wedding destinations. In Gujarat, the Somnath, excellent wedding venues due to their grandeur, mythology, and spiritual serenity - In Punjab, the Durgiana Temple in Amritsar, Shri Ram Tirtha, and the Kali Mata Temple in Patiala are popular. in Pushkar, the Ekling in Udaipur, the Karni Mata Temple in Bikaner, spots for weddings. Karnataka and Odisha - Spiritual ambiance Udupi Temple, Dharmasthala, Gokarna, and Sringeri are popular. temple weddings. The Lingaraj Temple in Odisha, the Puri Jagannath rituals) are excellent venues. Goa, Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Mangeshi temples in Goa are serene and beautiful options. Kashi

To stay healthy, just walking isn't enough; it's also important to activate your "second heart."

Calf muscles are also called the "second heart" because they pump blood from the legs to the heart, reducing pressure on the heart and improving heart health. Therefore, strengthening them is crucial. Let's learn about some simple exercises that can be very effective in strengthening the calf muscles. Calf muscles are also called the second heart. Doing some exercises before walking strengthens the calf muscles. Keeping calf muscles healthy helps maintain heart health. People often prioritize walking, running, or cycling for heart health, but the calf muscles also play an important role in heart health. They are called the "second heart" because they help pump blood upward from the lower body, reducing pressure on the heart. Doing exercises that target the calves before a walk not only strengthens the muscles but also helps maintain heart health for a long time. Why are calf muscles called the second heart? The calf muscles act like a pump, accelerating blood circulation from the legs to the heart. When these muscles contract and expand, blood pooling in the veins decreases, reducing the risk of swelling, blood clots, and high blood pressure. Strong calf muscles maintain a smooth supply of oxygenated blood to the heart and reduce the risk of cardiovascular disease. Exercises for Calf Muscles: Calf Raises: Stand straight with your feet hip-width apart. Slowly raise your heels to stand on your toes and then lower back down. Repeat this 12-15 times. This exercise increases calf strength and blood pumping capacity. Doing calf raises before a walk warms up the legs and improves blood flow to the heart. Ankle Circles: Lift one foot off the ground and, keeping the heel stationary, rotate the ankle clockwise and then counterclockwise 10 times each. This exercise increases flexibility in the muscles and joints around the calves, improving blood circulation. Toe Walks - Stand on your toes and walk slowly for 20-30 steps, then return to a normal walk. This exercise increases the endurance of the calf muscles, reducing fatigue during walking. Seated Heel Raise - Sit in a chair and place your feet on the floor. Then slowly raise your heels and lower them back. Repeat this 15-20 times. This is great for those who work sitting in an office. Calf Stretch - Stand facing a wall and place one foot forward and the other back. Keep the heel of your back foot on the floor and bend forward. Hold the stretch for 20-30 seconds. This exercise reduces tension in the calf muscles, improves flexibility, and makes walking pain-free.

Who is Kriti Sanon's onscreen husband, Jasjeet, who will soon be seen in Border 2?

The film "Tere Ishq Mein," starring Kriti Sanon and Dhanush, is an intense love story, in which Paramveer Cheema plays the pivotal role of Kriti's husband, Jasjeet. The film revolves around Dhanush's character, Shankar, and his emotional story. Paramveer will soon be seen in a film with Sunny Deol. Kriti Sanon and Dhanush's film "Tere Ishq Mein" is currently in the news. People are liking it immensely due to its intense love story. The supporting actors have also done their work brilliantly in this emotional love story of Dhanush and Kriti, which is why people are drawn to it. Some people are also going to watch it to get the Raanjhanaa feel. What is the story of Tere Ishq Mein? - There's another star whose name is being discussed in the film. Released on November 28, 2025, the film has brought rising star Paramveer Cheema into the spotlight. Paramveer is seen in the role of Kriti Sanon's husband, Jasjeet. Directed by Aanand L. Rai, Tere Ishq Mein is a tale of love and passion. The story revolves around the one-sided love and emotional story of Dhanush's character, Shankar. Shankar is an officer in the Indian Air Force. He was in a relationship with Kriti Sanon's character, Mukti. In the film, the two were in love many years before the present time, but due to circumstances, Mukti marries Jasjeet, played by Paramveer Cheema. Paramveer Cheema's character is described as a key figure in the story of Mukti and Shankar. Who is Paramveer Singh Cheema? Paramvir Cheema is an Indian film and television actor known for his work in web series and Hindi and Punjabi cinema. According to Stars Unfolded, Paramvir hails from Jalandhar, Punjab. Cheema has gained recognition for his roles in the popular OTT platform shows "Tubbar" and "Chamak." He will also be seen in the upcoming film "Border 2," starring Sunny Deol. Paramvir gained critical acclaim for his portrayal of Inspector Lakhwinder in the popular crime thriller series "Tubbar." He also impressed with his lead role as Kala in "Chamak." Paramvir was also part of the popular Netflix drama, "Black Warrant," where he played the role of "Shivraj Singh Mangat." Shivraj is a suspended police officer who becomes a prisoner.

Akhanda 2 premiere shows cancelled across India, a blow to Nandamuri Balakrishna's film before its release.

Big news is emerging regarding South superstar Nandamuri Balakrishna's upcoming film, Akhanda 2. Premiere shows have been cancelled a day before its release. Let's find out what the full story is: Akhanda 2 premiere shows cancelled - Akhanda 2, Nandamuri Balakrishna's upcoming movie, is scheduled to release on December 5th. When it comes to Telugu cinema's veteran actors, Nandamuri Balakrishna's name is always included. These days, the actor's name is in the news for Akhanda 2, which is scheduled to release in theaters on Friday. Previously, premiere shows for Akhanda 2 were scheduled to be held across the country today, but now it's being reported that these have been cancelled. The makers have also officially announced the cancellation of Akhanda 2's premiere shows. Let's find out what the whole matter is: Akhanda 2 premiere shows canceled - As a sequel to Nandamuri Balakrishna's 2021 film Akhanda, there's been a lot of buzz surrounding this film. Akhanda 2's premiere shows were scheduled for December 4th in India before its release. All preparations were complete, but at the last minute, these premiere shows have been canceled. Regarding this matter, the film's production house, 14 Reels Plus, has shared the latest tweet on its official Instagram handle, stating: "Today's premiere in India has been canceled due to technical difficulties. We tried our best, but some factors are beyond our control. We apologize for the inconvenience caused. However, the premieres abroad will take place today as scheduled." Thus, the official announcement regarding the cancellation of Akhanda 2's premiere shows has been revealed. Earlier, news had also come out that the premiere and press shows of Bollywood superstar Ranveer Singh's upcoming film Dhurandhar have been cancelled due to the current situation. However, no official update has been given by the makers of Dhurandhar regarding this. Clash of Dhurandhar and Akhanda 2 - On Friday, there will be a big clash at the box office between Dhurandhar and Akhanda 2. Both the movies are going to be released together on Friday, December 5. Hence, there will be a competition between them in terms of earnings.

Kartik Aaryan performed a powerful dance to the song "Lollipop Lagelu," fulfilling his brotherly duties at his sister's wedding.

Bollywood actor Kartik Aaryan's home is in a state of euphoria. His sister Kritika Tiwari's wedding festivities are underway. Recently, the actor gave a stellar performance at his sister's sangeet ceremony. Kartik Aaryan danced at his sister's sangeet; he danced to a Bhojpuri song; and he also rocked his sister's haldi ceremony. Taking a break from film shooting and promotions, Kartik Aaryan is currently busy with his sister Kritika Tiwari's wedding festivities. Kritika's wedding festivities are underway in Mumbai, where the actor was seen having a blast. Recently, Kritika Tiwari's haldi ceremony was hosted, a glimpse of which Kartik Aaryan shared. He was seen enjoying this beautiful moment with his sister. Now, a video of Kartik from Kritika's pre-wedding ceremony has surfaced and is going viral on social media. Kartik's blast at sister's sangeet - In fact, Kartik Aaryan rocked his sister's sangeet party. He even danced to Bhojpuri songs. A video has surfaced on social media in which he danced to actor Pawan Singh's iconic Bhojpuri song "Tu Lagevelu Jab Lipstick Lollipop Lagelu." Kartik Aaryan set the stage on fire with his fun performance. He, along with his family and relatives, added to the fun with his funny steps. At his sister's sangeet party, the actor wore a peach-colored floral kurta and white pyjamas, looking very handsome. This video of Kartik is now going viral on social media. Kartik performed his duties at his sister's wedding - Kartik Aaryan's sister Kritika Tiwari has tied the knot. Photos from his wedding have also surfaced on social media, showing him accompanying his sister during her bridal entry. He was seen fulfilling his brotherly duties, holding a sheet of flowers.